निःशस्त्र सुरक्षा गार्ड

(कार्य भूमिका)

(योग्यता पैक — संदर्भ आई.डी. एम.ई.पी./क्यू7101

कार्यक्षेत्र — निजी सुरक्षा

कक्षा 10वीं के लिए पाठ्यपुस्तक

© NCERT not to be republished

QRickit

171065

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

171065 – नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड
व्यावसायिक पाठ्यपुस्तक, कक्षा 10 के लिए

ISBN 978-93-5292-459-2

प्रथम संस्करण
दिसंबर 2023, अग्रहायण 1945

PD 5T RPS

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2023

₹ 65.00

80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित तथा सरस्वती आर्ट प्रिंटर्स, ई–25, सेक्टर–4, बवाना इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली– 110 039 द्वारा मुद्रित।

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फ़ोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रचारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशन की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नई दिल्ली 110 016 फ़ोन : 011-26562708

108, 100 फ़ीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III स्टेज
बेंगलुरु 560 085 फ़ोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फ़ोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट: धनकल बस स्टॉप पानीहटी
कोलकाता 700 114 फ़ोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लेक्स
मालीगाँव
गुवाहाटी 781021 फ़ोन : 0361-2676869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग : *अनूप कुमार राजपूत*

मुख्य संपादक : *श्वेता उप्पल*

मुख्य उत्पादन अधिकारी : *अरुण चितकारा*

मुख्य व्यापार प्रबंधक : *विपिन दीवान*

सहायक उत्पादन अधिकारी : *राजेश पिप्पल*

आवरण एवं चित्रांकन

डी.टी.पी. प्रकोष्ठ, प्रकाशन प्रभाग

© NCERT not to be republished

आमुख

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 (*एन.सी.एफ़.– 2005*) कार्य और शिक्षा को पाठ्यक्रम के द्वारा जोड़ने की अनुशंसा करती है, जिससे यह सीखने के सभी क्षेत्रों और चरणों में प्रासंगिक हो सके एवं एक नया आयाम दे सके। कार्य और शिक्षा विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता, रचनात्मकता और सहयोग की भावना जैसे महत्वपूर्ण व्यक्तिगत और सामाजिक मूल्यों का निर्माण करते हैं। इसके माध्यम से एक विद्यार्थी समाज में अपनी पहचान बनाना सीखता है। यह एक ऐसी शैक्षणिक गतिविधि है जो निहित क्षमता का समावेश करने में मदद कर सकती है, इसलिए शैक्षिक उत्पादक कार्य को शामिल करना सामाजिक जीवन-मूल्य को महत्वपूर्ण व सराहनीय बनाने में सहायक होगा। कार्य में सामग्रियों या लोगों (अधिकांशत: दोनों) का समन्वय शामिल होता है और इस प्रकार एक प्रभावी समझ और प्राकृतिक संसाधनों तथा सामाजिक संबंधों के व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि होगी।

कार्य और शिक्षा के माध्यम से विद्यालयीन ज्ञान को शिक्षार्थी के जीवन से आसानी से जोड़ा जा सकेगा। इसके द्वारा स्कूल, घर, समुदाय और कार्यस्थल के बीच की खाई को किताबी शिक्षा के दायरे से बाहर निकालकर भरा जा सकता है। *एन.सी.एफ़.– 2005* के अनुसार उन सभी बच्चों के लिए जो अपनी स्कूली शिक्षा को पूरा करने या छोड़ने के पश्चात व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण (वी.ई.टी.) के माध्यम से अतिरिक्त कौशल या आजीविका प्राप्त करना चाहते हैं, उन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण (वी.ई.टी.) विद्यार्थियों को अंतिम उपाय या विकल्प के बजाय 'पसंदीदा एवं सम्मानजनक' विकल्प प्रदान करती है।

इसी का परिपालन करते हुए रा.शै.अ.प्र.प. ने विभिन्न विषय-क्षेत्रों में कार्य भी किया है और देश के लिए राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ़.) के विकास में योगदान भी दिया है, जिसे 27 दिसंबर, 2013 को अधिसूचित किया गया था। यह एक गुणवत्ता आश्वासन-फ्रेमवर्क (क्वालिटी एश्योरेंस फ्रेमवर्क) है, जो ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण के स्तरों के अनुसार सभी योग्यताओं को व्यवस्थित करता है। यह स्तर एक से दस तक के अधिगम के प्रतिफल के क्रम में परिभाषित किए गए हैं, जिन्हें एक शिक्षार्थी को औपचारिक, गैर-औपचारिक या अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से प्राप्त करना होता है। एन.एस.क्यू.एफ़., स्कूलों, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों, तकनीकी शिक्षा संस्थानों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को नियंत्रित करने वाली राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त योग्यता प्रणाली के लिए सामान्य सिद्धांत और दिशानिर्देश को निर्धारित करता है। इसी पृष्ठभूमि के अंतर्गत रा.शै.अ.प्र.प. के एक घटक पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पैसिव), भोपाल ने कक्षा 9वीं से 12वीं तक के व्यावसायिक विषयों हेतु सीखने के प्रतिफल पर

© NCERT not to be republished

आधारित पाठ्यक्रम निर्मित किया है। इसे शिक्षा मंत्रालय (पूर्व में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, 1985–2020) की माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा को व्यावसायिक आधार पर प्रायोजित योजना के तहत विकसित किया गया है।

इस पाठ्यपुस्तक को कार्य भूमिका (जॉब रोल) के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (एन.ओ.एस.) को दृष्टिगत रखते हुए व्यवसाय से संबंधित प्रयोगात्मक अधिगम के प्रतिफल पर आधारित पाठ्यक्रम के अनुसार विकसित किया गया है। यह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को आवश्यक कौशल-ज्ञान और समीक्षात्मक दृष्टिकोण प्राप्त करने में सक्षम बनाएगी।

मैं, इस पाठ्यपुस्तक की निर्माण समिति, समीक्षकों और सभी संस्थानों व संगठनों के महत्वपूर्ण योगदान का आभारी हूँ, जिन्होंने इसके विकास में सहयोग प्रदान किया है।

रा.शै.अ.प्र.प. विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के सुझावों का स्वागत करती है, जिससे आगामी संस्करणों में सामग्री की गुणवत्ता को अधिक उत्कृष्ट बनाने में हमें सहायता मिलेगी।

दिनेश प्रसाद सकलानी

निदेशक

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

नई दिल्ली

जून, 2022

© NCERT not to be republished

पाठ्यपुस्तक के विषय में

सुरक्षा एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है क्योंकि यह संभावित जोखिमों और खतरों से सुरक्षा प्रदान करता है जो जीवन और संपत्ति को नुकसान पहुँचा सकते हैं। आवास समितियों, कार्यालयों, संगठनों, उद्योगों, शॉपिंग मॉल और स्वचालित टेलर मशीन (ए.टी.एम.) बूथ के प्रवेश और निकास द्वार पर एक अलग वर्दी पहने हुए नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को देखा जा सकता है।

एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड निजी सुरक्षा व्यवसाय में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्तियों में से एक है। नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड की मुख्य ज़िम्मेदारी उस क्षेत्र की निगरानी करना है जिसकी वह रक्षा कर रहा है और नुकसान या आपराधिक हमले के विरुद्ध जीवन और संपत्ति की रक्षा करना है। यह व्यक्ति अन्य विभिन्न कर्तव्यों के पालन के लिए भी ज़िम्मेदार है; जैसे— सत्यापन प्रक्रिया को पूर्ण करने के बाद आगंतुकों की लॉगबुक में उनका विवरण दर्ज करना; उस परिसर में घटित घटनाओं और कार्यक्रमों का लिखित रिकॉर्ड तैयार करना, जिसकी सुरक्षा की ज़िम्मेदारी ली गई है; गश्त; क्लोज्ड सर्किट टेलीविज़न (सी.सी.टी.वी.) कैमरों द्वारा लिए गए फुटेज की निगरानी करना और संबंधित अधिकारियों को घटनाओं के बारे में आवश्यक जानकारी प्रदान करना।

नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड कानूनी नियमों के एक समूह द्वारा शासित होता है जिसमें पात्रता, अधिकार क्षेत्र, प्रशिक्षण और संविदात्मक नियम शामिल होते हैं इसलिए व्यक्ति को हर समय सक्रिय और सतर्क रहने की आवश्यकता होती है।

यह पाठ्यपुस्तक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड की कार्य भूमिका के लिए विकसित की गई है जिसमें अधिगम के अनुभवों द्वारा ज्ञान और कौशल प्रदान किया गया है जो प्रायोगिक ज्ञान का भाग है। इसे विषय व उद्यम विशेषज्ञों और शिक्षाविदों के योगदान से विकसित किया गया है। इस पाठ्यपुस्तक की सामग्री को राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों के आधार पर तैयार किया गया है जिससे विद्यार्थी योग्यता पैक में राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों के अनुसार विषय का ज्ञान एवं कौशल प्राप्त कर सकें—

- एम.ई.पी./एन7101 – बुनियादी सुरक्षा अभ्यासों के अनुसार सुरक्षा कार्य करना।
- एम.ई.पी./एन7102 – सुरक्षा कार्यों को नियंत्रित करने में सक्षम नियामक और कानूनी आवश्यकताओं के अनुरूप होना।
- एम.ई.पी./एन7103 – जनता के बीच, संपत्ति और परिसर में सुरक्षा सेवाएँ प्रदान करना।
- एम.ई.पी./एन7104 – नियुक्त परिसर में प्रवेश को नियंत्रित करना।
- एम.ई.पी./एन7105 – सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जाँच और तलाशी से संबंधित गतिविधियों को पूर्ण करना।
- एम.ई.पी./एन7106 – निर्दिष्ट क्षेत्रों में पार्किंग नियंत्रण।
- एम.ई.पी./एन7107 – सुरक्षा अनुरक्षण प्रदान करना।

© NCERT not to be republished

- एम.ई.पी./एन7108 – स्वास्थ्य और सुरक्षा मानकों को बनाए रखना।
- एम.ई.पी./एन7109 – व्यावसायिक परिनियोजन में सुरक्षा कार्य करना।
- एम.ई.पी./एन7110 – औद्योगिक परिनियोजन में सुरक्षा कार्य करना।
- एम.ई.पी./एन7111 – अपनी और संगठन की सकारात्मक छवि का प्रदर्शन।

पाठ्यपुस्तक में तीन इकाइयाँ हैं। इकाई 1 नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड के विभिन्न कर्तव्यों और ज़िम्मेदारियों की व्याख्या करती है। इससे व्यक्तिगत सुरक्षा उपायों और स्वच्छता मानकों का भी ज्ञान होता है जिनकी कार्यस्थल पर पालन करने की आवश्यकता होती है।

इकाई 2 में वर्णित है कि कैसे नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को आपातकालीन स्थितियों में प्रतिक्रिया करने और खतरों से निपटने की आवश्यकता है। यह उन सुरक्षा उपायों पर ध्यान केंद्रित करती है जिन्हें दैनिक कार्य करते समय स्वयं की और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गार्ड को अपनाना चाहिए।

इकाई 3 दस्तावेज़ीकरण और अभिगम नियंत्रण प्रक्रियाओं से संबंधित है जो निजी सुरक्षा का एक अनिवार्य भाग है। इसमें अभिगम नियंत्रण, अभिगम नियंत्रण के स्तर और अभिगम नियंत्रण में प्रमाणीकरण और प्राधिकार प्रक्रियाओं के संचालन की आवश्यकता के लिए आवश्यक विभिन्न मशीनों, औज़ारों और उपकरणों का विवरण मिलता है।

विनय स्वरूप मेहरोत्रा
प्रोफेसर एवं *अध्यक्ष*
पाठ्यक्रम विकास एवं मूल्यांकन केंद्र
और एन.एस.क्यू.एफ. सेल
पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई., भोपाल

© NCERT not to be republished

पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति

सदस्य

ललिता अय्यर, *कॉन्टेंट हेड*, एन.आई.एस.ए., औद्योगिक सेवा, 19वीं मंज़िल, लोटस ग्रेंड्यूर, वीरा देसाई रोड, अंधेरी (पश्चिम), मुंबई, महाराष्ट्र

पी.पी. शर्मा, *कर्नल इन्फेंट्री* (सेवानिवृत्त), आर्मी हेडक्वाटर्स, ए4/602, पाइन हाइट, आकृति इकोसिटी, बावड़िया कलाँ, भोपाल, मध्य प्रदेश

एस.के. कालरा, *वरिष्ठ प्रबंधक*, (एस.एंड क्यू.ए.), सिक्यूरिटी सेक्टर स्किल डेवलपमेंट काउंसिल (पूर्व), 305, सिटी कोर्ट, सिकंदरपुर, एम.जी. रोड, गुरुग्राम, हरियाणा

एस.एम. सिंह, *कर्नल* (सेवानिवृत्त), आर्मी ऑर्डिनेंस कोर, आर्मी हेडक्वाटर्स, ई.एच. 12, नेहरू नगर, भोपाल, मध्य प्रदेश

सुरिंदर सिंह, *व्यावसायिक शिक्षक*, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नन्यौला, अंबाला, हरियाणा

विजय सिद्धार्थ पिल्लै, *प्रोजेक्ट मैनेजर*, सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन, नई दिल्ली

सदस्य-समन्वयक

विनय स्वरूप मेहरोत्रा, *प्रोफेसर* एवं *अध्यक्ष*, पाठ्यक्रम विकास एवं मूल्यांकन केंद्र और एन.एस.क्यू.एफ. सेल, पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई., भोपाल, मध्य प्रदेश

हिंदी अनुवाद

डॉ. रश्मि मिश्रा, *सहायक प्रोफेसर (हिंदी)*, पाठ्यक्रम विकास एवं मूल्यांकन केंद्र और एन.एस.क्यू.एफ. सेल, पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई., भोपाल, मध्य प्रदेश

© NCERT not to be republished

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (रा.शै.अ.प्र.प.), परियोजना अनुमोदन बोर्ड (पी.ए.बी.) के सदस्यों तथा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति आभारी है, जिन्होंने इस सीखने के प्रतिफल आधारित पाठ्यचर्या संबंधी पाठ्यक्रम के विकास के निर्माण में अपना सहयोग प्रदान किया। परिषद् पाठ्यपुस्तक को विकसित करने में सहयोग देने के लिए राजेश पु. खंबायत, भूतपूर्व *संयुक्त निदेशक*, पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई., भोपाल के प्रति भी आभार व्यक्त करती है।

इस पाठ्यपुस्तक की समीक्षा करने और उसे अंतिम रूप देने के लिए आयोजित कार्यशालाओं के समन्वय के प्रयासों के लिए परिषद् सरोज यादव, *प्रोफ़ेसर* एवं *डीन* (अकादमिक-सेवानिवृत्त), रा.शै.अ.प्र.प. एवं रंजना अरोड़ा, *प्रोफ़ेसर* एवं *विभागाध्यक्ष*, पाठ्यचर्या विभाग के प्रति अपना आभार व्यक्त करती है। हम उन सभी लोगों के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित करते हैं जिन्होंने हमारे अनुरोध पर अपने ज्ञान, विशेषज्ञता एवं अपना अमूल्य योगदान प्रदान किया।

परिषद् एम.ओ.ई.; डी.सी.एस.; रा.शै.अ.प्र.प. के तकनीकी सहायता समूह में अधिकारियों को योगदान; राष्ट्रीय कौशल विकास निगम; राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद्; और प्रबंधन एवं उद्यमिता और व्यावसायिक कौशल परिषद् (एम.ई.पी.एस.सी.) कौशल परिषद के प्रति आभार व्यक्त करती है।

पाठ्यपुस्तक में उपयोग किए जाने वाले चित्रों को क्रिएटिव कॉमन लाइसेंस के द्वारा प्राप्त किया गया है। इन चित्रों को रचनात्मक एवं उचित तरीके से बिना किसी कॉपीराइट का उल्लंघन किए चयनित किया गया है, जिससे विद्यार्थियों की समझ को और भी बेहतर बनाया जा सके। ये चित्र शैक्षिक उद्देश्य के लिए हैं और छात्रों तथा शिक्षकों के व्यक्तिगत उपयोग के लिए रखे गए हैं।

परिषद्, सुशांत कांबले, *सहायक प्रोफ़ेसर* (संविदा) पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई., भोपाल को इस पाठ्यपुस्तक के विकास हेतु आवश्यक सामग्री प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त करती है।

पांडुलिपि को आकर्षक पाठ्यपुस्तक में बदलने के लिए प्रकाशन प्रभाग, रा.शै.अ.प्र.प. का भी आभार है। इस पाठ्यपुस्तक को आकार देने के लिए मोहन शर्मा, *सहायक संपादक* (संविदा), श्रीया, *संपादन सहायक* (संविदा) और सीमा कुमार, स्वतंत्र संपादक के योगदान की सराहना की जाती है। परिषद् पवन कुमार बरियार, *इंचार्ज,* डी.टी.पी. सेल, प्रकाशन प्रभाग, रा.शै.अ.प्र.प. का ले-आउट और डिजाइन के लिए योगदान हेतु आभार व्यक्त करती है।

© NCERT not to be republished

विषय-सूची

आमुख	*iii*
पाठ्यपुस्तक के विषय में	*v*
इकाई 1— कर्तव्य, व्यक्तिगत सुरक्षा और स्वच्छता	**1**
सत्र 1— नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड के कर्तव्य और ज़िम्मेदारियाँ	1
सत्र 2— कार्यस्थल पर व्यक्तिगत सुरक्षा और स्वच्छता बनाए रखना	13
इकाई 2— खतरों और आपात स्थितियों से निपटना	**20**
सत्र 1— खतरा	20
सत्र 2— आपात स्थितियाँ	26
इकाई 3— दस्तावेज़ीकरण	**40**
शब्दकोश	51
उत्तर कुंजी	53

© NCERT not to be republished

© not to be republished

इकाई 1

कर्तव्य, व्यक्तिगत सुरक्षा और स्वच्छता

निजी सुरक्षा में स्व-नियोजित व्यक्ति और निजी कंपनियाँ शामिल हैं जो लोगों और व्यवसायों को सशुल्क सुरक्षा सेवाएँ प्रदान करती हैं। निजी सुरक्षा एजेंसी (विनियमन) अधिनियम 2005 निजी सुरक्षा को, "एक लोक सेवक के अलावा किसी व्यक्ति द्वारा किसी व्यक्ति या संपत्ति या दोनों को प्रदान की गई सुरक्षा के रूप में परिभाषित करता है और इसमें बख्तरबंद कार सेवा का प्रावधान शामिल है।" एक सुरक्षा गार्ड वह व्यक्ति है, जो किसी अन्य व्यक्ति या संपत्ति या दोनों को हथियार के साथ या बिना हथियार के निजी सुरक्षा प्रदान करता है (चित्र 1.1)।

चित्र 1.1: कार्यस्थल पर नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड

सत्र 1— नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड के कर्तव्य और ज़िम्मेदारियाँ

एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को कई कर्तव्यों का पालन करना पड़ता है, क्योंकि वह व्यक्ति लोगों के जीवन और संपत्ति की रक्षा करने के लिए ज़िम्मेदार होता है। इस प्रकार, नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड की मुख्य ज़िम्मेदारी लोगों के जीवन और संपत्ति की रक्षा करना है।

कर्तव्य और ज़िम्मेदारी

नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड द्वारा किए गए कुछ महत्वपूर्ण कर्तव्य इस प्रकार हैं—

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

अवलोकन और रिपोर्टिंग

अवलोकन करने का अर्थ केवल देखना नहीं है बल्कि आस-पास होने वाली सभी गतिविधियों और घटनाओं पर नज़र रखना है और उन्हें नोटबुक या लॉगबुक में दर्ज कर लेना है। इस प्रकार, नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को उस क्षेत्र या परिसर में होने वाली सभी गतिविधियों और घटनाओं को दर्ज रखने की आवश्यकता होती है, जहाँ उसे तैनात किया जाता है और अपने पर्यवेक्षक या संबंधित अधिकारी या प्राधिकरण को सूचित करना होता है। नियमों के उल्लंघन या किसी भी अप्रिय घटना या धमकी के बारे में तुरंत सूचित करने की आवश्यकता होती है। असामान्य घटनाओं के बारे में सावधानीपूर्वक और सटीक रूप से तैयार की गई रिपोर्ट आवश्यकता होने पर आगामी कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

जन और संपत्ति की सुरक्षा

जन और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड का प्रधान कार्य है। व्यक्ति को कार्यस्थल पर मौज़ूदा और संभावित खतरों की पहचान करने, संबंधित अधिकारियों को उनकी रिपोर्ट करने और कार्यस्थल प्रक्रियाओं के अनुसार उन्हें दर्ज करने में सक्षम होना चाहिए ताकि आवश्यक कार्रवाई आरंभ की जा सके। जन और संपत्ति की सुरक्षा बनाए रखने के लिए गार्ड को असामान्य घटनाओं पर ध्यान देना चाहिए।

यातायात प्रबंधन

नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को परिसर में पैदल और वाहनों के आवागमन का प्रबंधन और नियंत्रण करने की भी आवश्यकता होती है, जहाँ उसे नियुक्त किया जाता है। यातायात प्रबंधन में वह मार्गदर्शन शामिल है जिसके माध्यम से गार्ड को चल और अचल दोनों प्रकार के वाहनों, पैदल यात्रियों व साइकिल चालकों के लिए उचित व्यवस्था करनी चाहिए और उस पर नियंत्रण रखना चाहिए, ताकि उनका व्यवस्थित, सुरक्षित और सुचारु आवागमन सुनिश्चित हो सके। इसलिए गार्ड को यातायात प्रबंधन और नियंत्रण में प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। व्यक्ति को विशेष रूप से पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों को दी जाने वाली सुविधाओं, चौराहों, यातायात संकेतों, पार्किंग, सड़क के किनारे सुरक्षा और सड़क पर प्रकाश व्यवस्था से संबंधित यातायात संकेतों की पहचान करने में सक्षम होना चाहिए।

यातायात नियंत्रण के प्रकार

नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को जिन बुनियादी प्रकार के यातायात नियंत्रण के बारे में पता होना चाहिए, वे इस प्रकार हैं—

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

पैदल यात्री नियंत्रण

इसमें परिसर में सड़क पर चलने वाले लोगों को निर्देशित करना शामिल है, विशेष रूप से आपात स्थिति या भारी यातायात के संदर्भ में।

वाहन नियंत्रण

इसमें वाहन चालकों की सुरक्षा और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से आपातकालीन प्रतिक्रिया के दौरान दिशा-निर्देश और पार्किंग में सहायता करना शामिल है।

विरोधी समूह के साथ निपटना

एक विरोधी समूह में शोर मचाने वाले और अनियंत्रित लोग होते हैं, जो एक सुविधा में रहने वाले निवासियों या कर्मचारियों के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं, जहाँ नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड नियुक्त है। ऐसे लोगों की भीड़ एक छोटी-सी बात पर भी सरलता से भड़क जाती है और विद्रोह के लिए तैयार हो जाती है, उदाहरण के लिए, क्रोधित प्रदर्शनकारियों का समूह।

हालाँकि विरोधी समूह को संभालने के लिए पुलिस ज़िम्मेदार है, ऐसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जहाँ निजी नि:शस्त्र सुरक्षा गार्डों को उनकी सहायता करनी पड़ सकती है। उदाहरण के लिए, यदि अनियंत्रित भीड़ एक स्थान पर एकत्र है, जो एक कारखाना हो सकता है और किसी मुद्दे पर कंपनी के प्रबंधन के विरुद्ध संघर्ष जारी है तो वहाँ नियुक्त नि:शस्त्र सुरक्षा गार्डों को पुलिस द्वारा स्थिति को संभालने के लिए कहा जा सकता है। सुनिश्चित कर लें कि कोई हताहत या अप्रिय घटना न हो।

आमतौर पर पुलिस एक बड़े विरोधी दल को छोटे-छोटे समूहों में तोड़कर उससे निपटती है, क्योंकि समय रहते उन पर काबू पाना आसान होता है। जब लोग छोटे समूहों में होते हैं तो अपने व्यवहार को नियंत्रित रखते हैं। पुलिस उन लोगों को गिरफ़्तार करके भीड़ का ध्यान हटाती है, जो आंदोलन का नेतृत्व कर सकते हैं या अन्य प्रदर्शनकारियों को जमकर प्रभावित कर सकते हैं। पुलिस ऐसे लोगों को अलग करती है ताकि दूसरे उनकी बातों के बहकावे में न आएँ और किसी भी तरह की असामाजिक गतिविधि में भाग न लें।

विरोधी समूह से निपटने के दौरान नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को हमेशा विनम्र, शांत और धैर्यवान होना चाहिए और समूह के प्रभावशाली सदस्यों के साथ विश्वासपूर्वक संवाद करना चाहिए। नेतृत्वकर्ताओं से बात करते समय कभी भी वाद-विवाद या आवाज़ नहीं उठानी चाहिए, क्योंकि इससे परेशानी हो सकती है।

© NCERT not to be republished

चित्र 1.2: किसी परिसर के प्रवेश या निकास द्वार पर ऐसा संकेत दिखने पर सुरक्षा जाँच के लिए रुकना चाहिए।

आगंतुक प्रबंधन

यह प्रवेश और निकास द्वार, संतरी पोस्ट और परिसर के वॉचटावर पर आगंतुक और वाहनों की आवाजाही की देखभाल करने और गश्त लगाने से संबंधित है। एक बाहरी व्यक्ति या आगंतुक पहले सुविधा हेतु प्रवेश द्वार पर नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड से मिलता है। प्रवेश द्वार पर अक्सर 'रुकिए' का निशान (चित्र 1.2) देखा जा सकता है। यह चिह्न कभी-कभी, कुछ सुविधाओं के निकास द्वार पर भी ध्यान देने योग्य होता है। यह चिह्न संकेत करता है कि आगंतुक सुरक्षा जाँच के लिए रुकें।

इसके अलावा प्रवेश द्वार पर नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड आगंतुक को रोकता है और रजिस्टर या लॉगबुक में उसे पंजीकृत करता है (चित्र 1.4)।

चित्र 1.3: एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड एक इमारत के प्रवेश द्वार पर एक आगंतुक को रोकता है।

चित्र 1.4: किसी परिसर के प्रवेश द्वार पर आगंतुक का पंजीकरण अनिवार्य है।

एक आगंतुक के पंजीकरण में व्यक्तिगत विवरण; जैसे— नाम, पता, फोन नंबर, वाहन संख्या, आईडी कार्ड विवरण (जैसे— मतदाता पहचान-पत्र, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और पासपोर्ट), प्रवेश और निकास की तिथि और समय और उस व्यक्ति का नाम दर्ज करना शामिल है, जिससे मिलने आया है। इन विवरणों को दर्ज करने के बाद ही, नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड व्यक्ति को एक 'आगंतुक पास' जारी करता है और उसे परिसर में प्रवेश करने की अनुमति देता है। गार्ड निकासी के दौरान आगंतुक से वह पास वापस ले लेता है।

टिप्पणी

एक आगंतुक कौन है?

आगंतुक न तो कर्मचारी होता है और न ही उस स्थान का स्थायी निवासी होता है, जहाँ नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड नियुक्त है। आगंतुकों को मोटे तौर पर निम्नलिखित रूप से वर्गीकृत किया जा सकता है—

- ई-कॉमर्स कंपनियों सहित विभिन्न संगठनों के कर्मचारी और स्टाफ
- ठेकेदार और उनके कर्मचारी
- व्यक्ति नियुक्ति के साथ या बिना नियुक्ति के
- सरकारी अधिकारी जैसे प्रशासक या प्रतिनिधि
- मज़दूर संघ के नेता और कार्यकर्ता
- विक्रेता
- पानी, बिजली, पेट्रोलियम गैस (एल.पी.जी.) और देखभाल करने वाली कंपनियाँ या ठेकेदार जैसे आवश्यक सेवा प्रदाताओं के प्रतिनिधि
- सफ़ाई कर्मचारी
- दमकल, पुलिस और रोगी वाहन जैसे आपातकालीन सेवाकर्मी

सुरक्षाकर्मियों को केवल नियोजित भेंट वाले आगंतुक को ही प्रवेश की अनुमति देनी चाहिए, वह भी पंजीकरण-पुस्तिका में आगंतुक की जानकारी भरने व पहचान-पत्र या अधिकृत दस्तावेज़ों की जाँच उपरांत।

यदि नियोजित भेंट के बिना कोई आगंतुक आता है तो नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को संबंधित अधिकारियों से अनुमति प्राप्त करने के बाद ही व्यक्ति को परिसर में प्रवेश करने देना चाहिए। इस दौरान गार्ड को ऐसे आगंतुक से प्रतीक्षालय या क्षेत्र में प्रतीक्षा करने का अनुरोध करना चाहिए। इसलिए प्रवेश द्वार के पास एक प्रतीक्षा क्षेत्र विकसित करना अनिवार्य है।

सुरक्षा कंपनी की प्रक्रिया के अनुसार आगंतुकों की तलाशी ली जाती है। कुछ परिसरों में आगंतुकों को लैपटॉप, पेन ड्राइव, कॉम्पैक्ट डिस्क, मोबाइल फोन, कैमरा, आग्नेय शस्त्र और हथियार जैसी वस्तुओं को ले जाने की अनुमति नहीं होती है। तलाशी लेते समय सुरक्षा गार्ड को ऐसी अवांछनीय वस्तुएँ ले जाने वाले लोगों से निपटना पड़ सकता है।

ध्यान रखने योग्य बातें

- जटिल और हठी लोगों के साथ व्यवहार करते समय हमेशा शांत और विनम्र रहें।
- अधीरता या अहंकार कभी न दिखाएँ।
- सहायता माँगने वाले लोगों की उपेक्षा न करें। यदि आप असमर्थ हों, तो किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश करने का प्रयास करें, जो संबंधित व्यक्ति की सहायता कर सके।
- शिष्ट और आत्मविश्वासी बनें। लोगों के साथ बातचीत करते समय कभी लापरवाही न बरतें, हर किसी की रक्षा करना आपका कर्तव्य है।

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

- खुले विचारों वाले बनें और आलोचनात्मक न बनें।
- अक्सर 'धन्यवाद या थैंक्यू', 'कृपया या प्लीज'और 'क्षमा करना या सॉरी' जैसे शब्दों का उपयोग करें, क्योंकि ऐसे शब्द व्यक्ति के बारे में सकारात्मक छवि पेश करते हैं। कार्यस्थल पर कभी भी अशिष्ट भाषा का उपयोग न करें।
- किसी भी व्यक्ति के साथ जाति, पंथ, लिंग या रंग के आधार पर भेदभाव नहीं करना चाहिए।

आक्रामक आगंतुकों से निपटना

नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को ऐसी जटिल परिस्थितियों से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए, जिसमें आक्रामक और भावनात्मक रूप से परेशान लोग शामिल हों। ऐसे लोगों को संभालते समय व्यक्ति को धैर्य और सतर्क रहना चाहिए। जब भी ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न होती हैं, व्यक्ति को सतर्क रहकर स्थिति को संभालने का प्रयास करना चाहिए और अपने सामान्य ज्ञान, चतुराई, सतर्कता और धैर्य का उपयोग करते हुए यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि स्थिति बिगड़ने न पाए। इसके अलावा, स्थिति को जल्द-से-जल्द नियंत्रित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को सूचित करना चाहिए। नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को आक्रामक लोगों से निपटने के दौरान संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए। गार्ड को आगंतुकों के बाहरी व्यवहार और गतिविधियों पर भी ध्यान देना चाहिए, जिससे आक्रामक प्रवृत्ति के लोगों और असामाजिक तत्वों को रोका जा सके। कई बार स्थिति नियंत्रण में हो सकती है या बिगड़ सकती है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि गार्ड स्थिति से कैसे निपटता है।

यदि सुरक्षा गार्ड किसी आक्रमक व्यक्ति के साथ व्यवहार कर रहा है तो विनम्र होना और व्यक्ति की चिंताओं को धैर्यपूर्वक सुनना महत्वपूर्ण है। गार्ड को हमेशा अपने शब्दों, स्वर, चेहरे के भाव, तौर-तरीकों और शरीर की भाषा के प्रति सावधान रहना चाहिए।

मादक पदार्थ या शराब का सेवन करने वालों के साथ व्यवहार करना

ऐसे लोग जो बहुत अधिक शराब का सेवन करते हैं, अक्सर नशे में धुत रहते हैं और अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण खो देते हैं, जिससे एक क्षेत्र में उपद्रव की स्थिति पैदा हो जाती है। कभी-कभी वे हिंसक भी हो सकते हैं। ऐसे व्यक्ति को अक्सर गार्ड या अन्य निवासियों को "आप नहीं जानते कि मैं कौन हूँ" जैसे बयानों से धमकाते हुए देखा जा सकता है। नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को ऐसे व्यक्ति के साथ चतुराई और सावधानी से व्यवहार करना चाहिए। ऐसे व्यक्ति के साथ व्यवहार करते समय गार्ड को इन बातों का ध्यान रखना चाहिए—

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

क्या करें

- हमेशा व्यक्ति के प्रति चिंता दिखाएँ।
- हमेशा विनम्र, शांत और मददगार बनें।
- व्यक्ति को दृढ़ता से व्यवहार करने के लिए कहें।
- व्यक्ति को आश्वस्त करें कि हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।
- अगर व्यक्ति अनियंत्रित होता है या आसन्न चिकित्सा आपात स्थिति के मामले में संबंधित अधिकारियों से सहायता लें।
- व्यक्ति को अकेला न छोड़ें।

क्या न करें

- व्यक्ति को भोजन, चाय या कॉफी न दें, क्योंकि इससे घुटन या उल्टी हो सकती है।
- व्यक्ति को स्वयं किसी भी प्रकार की दवा न दें।
- उल्टी करने के लिए प्रेरित न करें।
- व्यक्ति को वाहन चलाने की अनुमति न दें।

पेशेवर गुण

दक्षता किसी कार्य को कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से पूरा करने की क्षमता है। जन और संपत्ति को सुरक्षा सेवाएँ प्रदान करने के अलावा, नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को कई अन्य कर्तव्यों का भी पालन करना पड़ता है। व्यक्ति की दक्षता इस बात पर निर्भर करती है कि वह अपनी भूमिका से जुड़े विभिन्न कार्यों को कितना प्रभावी ढंग से और कुशलता से करता है। दक्षता लक्ष्यों और उद्देश्यों को जानने और उन्हें प्राप्त करने की दिशा में कार्य करने से आती है।

जनसंपर्क बनाए रखना

एक लोकप्रिय कहावत है— आपका पहला प्रभाव ही अंतिम प्रभाव होता है। इसलिए नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को अपने पहचान-पत्र के साथ वर्दी पहननी चाहिए और ड्यूटी के दौरान हर समय उपस्थित रहना चाहिए। काम के दौरान सहकर्मियों, पर्यवेक्षकों, निवासियों, आगंतुकों, पुलिस और अन्य आपातकालीन सेवाकर्मियों आदि समेत कई लोगों के साथ बातचीत करने की आवश्यकता होती है। इसलिए, व्यक्ति को हमेशा शांत, विनम्र, समय का पाबंद, अनुशासित, ईमानदार, विश्वसनीय, ज़िम्मेदार और आपातकालीन स्थितियों को नियंत्रित करने में सक्षम होना चाहिए। गार्ड को जनसंपर्क बनाए रखने में सक्षम होना चाहिए, जो व्यक्तियों, संगठनों और

© NCERT not to be republished

जनता के बीच जानकारी के प्रबंधन और प्रसार का कार्य है। निवासियों और अन्य आगंतुकों के साथ शिष्ट व्यवहार बनाए रखना चाहिए। लेकिन साथ में यह भी सुनिश्चित कर लें कि ये सब किसी सुरक्षा एजेंसी या संबंधित प्राधिकरण द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार ही हो।

भेंट और अभिवादन करने की प्रक्रिया

नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड, आमतौर पर पहला व्यक्ति होता है, जो किसी सरकारी या निजी परिसर या आवासीय क्षेत्र में पहुँचने पर आगंतुक के साथ बातचीत करता है। व्यक्ति को प्रसन्न होकर आगंतुकों का अभिवादन करना चाहिए, विनम्र और सहायक होना चाहिए। इसलिए व्यक्ति द्वारा प्रदर्शित आचरण आगंतुकों पर एक अमिट छाप छोड़ता है। कुछ शिष्टाचार जो सुरक्षा गार्ड को प्रदर्शित करने चाहिए, वे इस प्रकार हैं—

- प्रसन्नता के साथ आगंतुक का स्वागत करें।
- फोन कॉल का तुरंत उत्तर दें (घंटी के तीन बार बजने के भीतर) और स्वागत स्वर में बात करें।
- चिड़चिड़े या उत्तेजित आगंतुक या फोन करने वाले के साथ व्यवहार करते हुए भी हमेशा धैर्यवान और विनम्र रहें।
- कभी भी अनादर न करें या आपा न खोएँ।
- परेशान या क्रोधित होने या कुछ नापसंद आने के लक्षण प्रदर्शित न होने दें।
- बातचीत के दौरान कम-से-कम एक बार आगंतुक या फोन करने वाले को उनके अंतिम नाम से संबोधित करें या केवल उस व्यक्ति को 'सर' या 'मैडम' कहकर संबोधित करें।
- फोन करने वाले को लंबे समय तक प्रतीक्षा में न छोड़ें।
- आगंतुक या फोन करने वाले के साथ व्यक्तिगत बातचीत में शामिल न हों।
- हमेशा सीधे बैठें या खड़े हों।
- कुर्सी पर बैठते हुए झुकें नहीं।

चित्र 1.5: नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को फोन पर बात करते समय हमेशा विनम्र और सहायक होना चाहिए।

टेलीफोन शिष्टाचार

एडवांस ऑक्सफोर्ड लर्नर्स डिक्शनरी के अनुसार, शिष्टाचार 'समाज में या किसी विशेष पेशे के सदस्यों के बीच उचित या विनम्र व्यवहार के नियमों' को संदर्भित करता है। शिष्टाचार के विभिन्न तत्व किसी व्यक्ति की उपस्थिति, शब्दों की पसंद और भाव-भंगिमा से संबंधित होते हैं। नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को वॉकी-टॉकी या फोन पर बात करते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए (चित्र 1.5)—

© NCERT not to be republished

- तीसरी घंटी बजने तक फोन पर उत्तर देने का प्रयास करें।
- फोन करने वाले का अभिवादन करें। कुछ शब्द जो फोन करने वाले का अभिवादन करने के लिए उपयोग किए जा सकते हैं, वे हैं— 'नमस्ते या हैलो', 'सुप्रभात या गुड मॉर्निंग', 'शुभ दोपहर या गुड आफ्टरनून', 'शुभ संध्या या गुड इवनिंग', आदि।
- बातचीत की शुरुआत में ही स्वयं की पहचान बताएँ।
- यदि फोन करने वाला अपना परिचय नहीं देता है तो विनम्रता से पूछें— 'क्या मैं जान सकता हूँ कि आप कौन हैं?'
- यदि फोन करने वाला यह नहीं बताता है कि वह किससे बात करना चाहता है तो पूछें— 'क्या मैं जान सकता हूँ कि आप किससे बात करना चाहेंगे?'
- ठीक से बोलिए। स्पष्ट और संक्षिप्त वाक्यों का उपयोग करें। चूँकि दोतरफ़ा रेडियो एक समय में केवल एक व्यक्ति को बोलने की अनुमति देता है इसलिए बातचीत संक्षिप्त, स्पष्ट और सुसंगत तरीके से करें।
- यदि वह व्यक्ति जिसके साथ फोन करने वाला व्यक्ति बात करना चाहता है, उपलब्ध नहीं है तो गार्ड को कहना होगा—"मुझे क्षमा करें, श्री/सुश्री अ ब स इस समय व्यस्त हैं। क्या मैं आपका नाम, संदेश और फोन नंबर जान सकता हूँ? मैं श्री/सुश्री अ ब स से खाली समय में वापस फोन करने का अनुरोध करूँगा।"
- हमेशा नाम, फोन नंबर, फोन आने का समय और प्राप्त संदेश को स्पष्ट रूप से लिखें।
- फोन करने वाले को दो मिनट से अधिक समय तक प्रतीक्षा न करवाएँ। किसी को फोन पर लंबे समय तक प्रतीक्षा करवाने के स्थान पर पुन: फोन करना बेहतर है। वापस फोन करना न भूलें।
- प्रतीक्षा अवधि के अंत में, फोन करने वाले को धैर्य रखने के लिए धन्यवाद देना चाहिए।

वॉकी-टॉकी या टेलीफोन पर बातचीत में प्रयुक्त सामान्य शब्द—

- फिर से कहिए— कृपया संदेश दोहराएँ।
- स्टैंडबाय— मैं आपके संचार को स्वीकार करता हूँ लेकिन अभी प्रतिक्रिया नहीं दे सकता।
- गो-अहेड— मैं उत्तर दे सकता हूँ। कृपया अपना संदेश साझा करें।
- रॉजर (Roger)— संदेश प्राप्त हो गया है और समझ लिया गया है।
- ओवर— मैंने बोलना समाप्त कर दिया है।
- सकारात्मक या नकारात्मक— हाँ या नहीं।
- आउट— बातचीत समाप्त हो गई है और चैनल अन्य उपयोगकर्ताओं के लिए खाली है।

टीम का खिलाड़ी बनें

एक सुविधा के परिसर को सुरक्षित रखने के लिए नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को अपने सहयोगियों के साथ काम करने की आवश्यकता होती है। टीम भावना की कमी से द्वार पर गश्त या अभिगम नियंत्रण जैसे विभिन्न सुरक्षा कार्यों में बड़े अंतराल हो सकते हैं और लंबे समय में, उस सुरक्षा एजेंसी के नाम को खराब कर सकते हैं जिसका वे प्रतिनिधित्व करते हैं। टीम के खिलाड़ी के कुछ महत्वपूर्ण गुण इस प्रकार हैं—

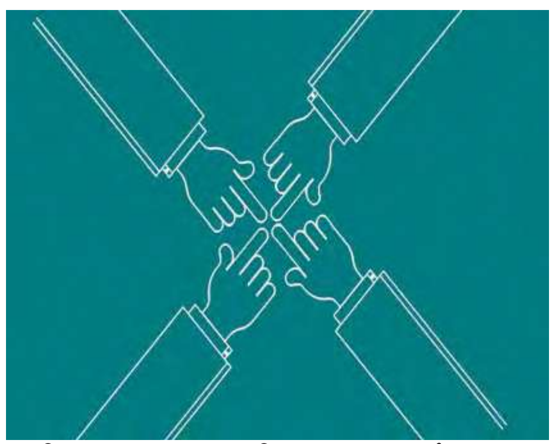

चित्र 1.6: टीम भावना नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड का एक महत्वपूर्ण गुण है।

© NCERT not to be republished

- एक टीम में अन्य सदस्य उस व्यक्ति पर निर्भर हो सकते हैं।
- यदि वह अन्य साथियों की सहायता करता है, तो व्यक्ति को स्वयं को शीघ्र अनुकूलित करने के लिए तैयार रहना चाहिए।
- टीम के अन्य सदस्यों की कार्य-शैली की सराहना करनी चाहिए।

निजता के अधिकार का सम्मान करें

चित्र 1.7: गार्ड को आगंतुक के निजता के अधिकार का सम्मान करना चाहिए।

लोगों की गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए, नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को आगंतुकों की पहचान की जाँच करने और उनके सामान का निरीक्षण करने की आवश्यकता हो सकती है। किसी व्यक्ति की तलाशी लेते समय या किसी व्यक्ति के सामान या वाहन की तलाशी लेते समय, सुरक्षा गार्ड को निजता के अधिकार के प्रति सचेत रहना चाहिए। यदि आगंतुक सामान की तलाशी देने से मना करता है और गोपनीयता के अधिकार का हवाला देते हुए उसे परिसर में ले जाने पर ज़ोर देता है, तो सुरक्षा एजेंसी की नीतियों के अनुसार गार्ड को जाँच के लिए किसी भी सामान को रोकने की आवश्यकता होती है। ऐसे में गार्ड को विनम्रतापूर्वक आगंतुक को समझाना चाहिए और किसी भी परिस्थिति में बिना जाँच किए चीज़ों को परिसर में ले जाने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। यदि आवश्यक हो तो गार्ड पर्यवेक्षक या संबंधित प्राधिकारी को सूचित कर सकता है। सुरक्षा गार्ड को परिसर के अंदर केवल स्वीकार्य सामान की अनुमति देनी चाहिए, वह भी जाँच के उपरांत।

जेंडर पहचान का अधिकार

जेंडर पहचान का अधिकार किसी की व्यक्तिगत पसंद पर निर्भर करता है। ट्रांसजेंडर, जिनकी पहचान पुरुष या महिला के रूढ़िवादी लिंग मानदंडों से भिन्न होती है, उन्हें 'थर्ड जेंडर' के रूप में भी जाना जाता है। संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 के तहत समानता का अधिकार सभी नागरिकों को जाति, नस्ल, धर्म, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव न होने की गारंटी देता है और एक समान अधिकार सुनिश्चित करता है। भारत सरकार ने नौकरी, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में ट्रांसजेंडर लोगों के साथ भेदभाव न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 अधिनियमित किया। एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति अपने जेंडर को 'ट्रांसजेडर' के रूप में इंगित करते हुए, पहचान प्रमाण-पत्र का अनुरोध करते हुए, जिला मजिस्ट्रेट को एक आवेदन भेज सकता है।

मानवीय गरिमा के अधिकार का सम्मान करें

प्रत्येक मनुष्य सम्मान का पात्र है। सम्मान का अधिकार न केवल राष्ट्रीय कानूनों बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों द्वारा भी संरक्षित है। इन अधिकारों को 'अहस्तांतरणीय अधिकार' कहा जाता है, क्योंकि इन्हें कभी भी किसी व्यक्ति से अलग नहीं किया जा सकता है। चूँकि नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को तरह-तरह के लोगों से निपटना होता है इसलिए किसी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी कार्रवाई मानवीय गरिमा के अधिकार के विरुद्ध न हो।

जेंडर संवेदनशीलता

जिस तरह एक महिला आगंतुक की तलाशी केवल महिला गार्ड द्वारा एक निर्धारित स्थान पर पर्दे के घेरे में की जानी चाहिए, उसी तरह एक 'ट्रांसजेंडर व्यक्ति' जिस भी जेंडर से स्वयं का जुड़ाव अनुभव करता है, उसी जेंडर के गार्ड (स्त्री या पुरुष) का चयन कर सकता है। वह गार्ड सुरक्षा सेवा के दौरान उसकी तलाशी ले सकता है। गार्ड को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सुरक्षा जाँच के दौरान आगंतुकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा वे असहज अनुभव न करें।

© NCERT not to be republished

आपने क्या सीखा?

इस सत्र को पूरा करने के बाद आप—

- एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड के कर्तव्यों और कार्यों का वर्णन करने में सक्षम होंगे।
- एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड के पेशेवर गुणों की पहचान कर सकेंगे।

टिप्पणी

व्यावहारिक अभ्यास

गतिविधि

एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड पर परियोजना तैयार कीजिए, जिसके अंतर्गत व्यक्ति का नाम, कार्य और अनुभव शामिल हो।

आवश्यक सामग्री: लेखन सामग्री

प्रक्रिया

- एक आवासीय सोसाइटी, होटल, पार्किंग स्थल या एक ए.टी.एम. बूथ का चयन करें, जहाँ एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को सरलता से देखा जा सके।
- उस व्यक्ति का अभिवादन करें और उसे उस गतिविधि के बारे में सूचित करें, जो आपकी पढ़ाई से ही जुड़ी है। गार्ड से निम्नलिखित जानकारियाँ प्राप्त करें—
  - व्यक्ति का नाम और आयु,
  - कार्यस्थल पर कार्य करने की अवधि,
  - एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड के रूप में कुल कार्य अनुभव तथा
  - ज़िम्मेदारियाँ, जिन्हें निभाना पड़ता है।
- ध्यान दें कि सुरक्षा गार्ड ने वर्दी और पहचान-पत्र पहना है या नहीं। यह भी ध्यान दें कि क्या व्यक्ति सभ्य दिख रहा है और उसने स्वच्छता का ध्यान रखा है।
- गार्ड से बात करें और पूछें कि व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखना कितना महत्वपूर्ण है।
- गार्ड से पूछें कि क्या किसी ने कभी शत्रुतापूर्ण स्थिति का प्रबंधन किया है? यह भी पूछें कि शत्रुतापूर्ण स्थिति से निपटने के दौरान एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा कैसे बनाए रख सकता है?

अपनी प्रगति जाँचें

क. रिक्त स्थान भरें

1. आगंतुक के .... में उसका नाम, पता, दूरभाष और वाहन संख्या, प्रवेश और निकास की तिथि एवं समय जैसे विवरण को दर्ज करना शामिल है।

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

2. आगंतुक .... प्रवेश और निकास द्वार पर आगंतुकों और वाहनों की आवाजाही की निगरानी करने और परिसर में गश्त करने से संबंधित है।
3. .... और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड का प्रमुख कार्य है।
4. भारत सरकार ने नौकरी, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में ट्रांसजेंडर लोगों के साथ .... न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 अधिनियमित किया।
5. गरिमा का अधिकार एक .... अधिकार है।

ख. बहुविकल्पीय प्रश्न

1. भारत सरकार ने वर्ष .... में निजी सुरक्षा एजेंसी (विनियमन) अधिनियम को अधिनियमित किया।

   (क) 2005 (ख) 2001
   (ग) 2015 (घ) 2006

2. .... लोगों का एक समूह है, जो शोरगुल और अनियंत्रित होते हैं और यहाँ तक कि खतरा भी पैदा कर सकते हैं।

   (क) सड़क भीड़ (ख) त्योहार की भीड़
   (ग) विरोधी या शत्रुतापूर्ण भीड़ (घ) इनमें से कोई नहीं

3. टेलीफोन या वॉकी-टॉकी वार्तालाप में, 'रॉजर' शब्द का अर्थ .... है।

   (क) कृपया संदेश को दोहराएँ।
   (ख) मैं आपके प्रसारण को स्वीकार करता हूँ लेकिन अभी प्रतिक्रिया नहीं दे सकता।
   (ग) कृपया अपना संदेश साझा करें।
   (घ) संदेश प्राप्त करके समझ लिया गया।

4. शराब का सेवन करने वाले किसी व्यक्ति के साथ व्यवहार करते समय, नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को .... होना चाहिए।

   (क) सतर्क और कुशल (ख) विनम्र, शांत और सहायक
   (ग) कठोर (घ) (क) और (ख) दोनों

ग. विषय-वार प्रश्न

1. कोई पाँच पेशेवर विशेषताएँ लिखिए, जो एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड के पास होनी चाहिए।
2. आगंतुक प्रबंधन से आप क्या समझते हैं?
3. 'निजता के अधिकार' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
4. एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति की सुरक्षा जाँच में किस प्रकार सहायता की जा सकती है, इस पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

© NCERT not to be republished

सत्र 2— कार्यस्थल पर व्यक्तिगत सुरक्षा और स्वच्छता बनाए रखना

व्यक्तिगत सुरक्षा का अर्थ है— हानिकारक या खतरनाक स्थितियों और आस-पास के व्यक्तियों को पहचानना और उनसे बचना।

जैसा कि पहले ही चर्चा की जा चुकी है कि एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड की सबसे महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारियों में से एक है—उस क्षेत्र में लोगों और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना, जहाँ उसको तैनात किया गया है। साथ ही गार्ड को संभावित हानिकारक स्थितियों और जोखिमों से बचकर अपनी सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी चाहिए।

'जोखिम' का तात्पर्य भविष्य में किसी समय कुछ बुरा होने की संभावना से है। यह एक ऐसी स्थिति को संदर्भित करता है जो खतरनाक हो सकती है या जिसके अवांछित परिणाम हो सकते हैं। एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड की नौकरी से जुड़े जोखिम काफ़ी बढ़ जाते हैं, विशेषकर जब व्यक्ति किसी स्थान पर अकेले तैनात होता है।

व्यक्तिगत सुरक्षा बनाए रखना

व्यक्तिगत सुरक्षा को 'व्यावसायिक सुरक्षा' के रूप में भी जाना जाता है। पेशे से जुड़े जोखिमों पर विचार करते हुए, एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड की व्यक्तिगत सुरक्षा लोगों और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सर्वोपरि हो जाती है। कार्यस्थल पर व्यक्तिगत सुरक्षा संभावित खतरों और खतरों के बारे में किसी की जागरूकता पर निर्भर करती है। गश्त करते समय, नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को जोखिमों से सावधान रहना चाहिए और निम्नलिखित सावधानियाँ बरतनी चाहिए—

- संभावित जोखिमों और खतरों का अनुमान लगाएँ।
- चौकस और सतर्क रहें ताकि संभावित खतरे और खतरों की पहचान की जा सके।
- आस-पास के परिवेश से अवगत रहें।
- उन व्यक्तियों, वस्तुओं और स्थितियों के बारे में तुरंत बताएँ, जो संदिग्ध लग सकते हैं और पर्यवेक्षक या संबंधित प्राधिकारी को सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं।
- सुरक्षा पहलुओं और जोखिम को ध्यान में रखते हुए दैनिक कार्यक्रम तैयार करें।
- सहकर्मियों और पर्यवेक्षक के साथ फोन पर नियमित रूप से संपर्क में रहें, विशेषकर रात की पाली के दौरान।
- एक गार्ड परिसर में गश्त करता है, दूसरा गार्ड कमरे या किसी अन्य निर्धारित क्षेत्र में स्थापित क्लोज्ड सर्किट टेलीविज़न (सी.सी.टी.वी.) निगरानी प्रणाली की सहायता से परिसर के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाली गतिविधियों को देख सकता है।

चित्र 1.8: सी.सी.टी.वी. कैमरा

© NCERT not to be republished

- व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए जोखिम के मामले में किसी को तुरंत सुरक्षित स्थान पर जाना चाहिए और तुरंत संबंधित अधिकारियों को मामले की सूचना देनी चाहिए।

व्यक्तिगत स्वच्छता और उपस्थिति

आमतौर पर एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड दूर से दिखाई देता है और जनता के बीच सुरक्षा और सुरक्षा की भावना को स्वचालित रूप से बढ़ावा देता है, जिसमें किसी इलाके के निवासी या मॉल, पार्क आदि जैसे सार्वजनिक स्थान पर आने वाले लोग शामिल हैं।

इसलिए व्यक्तिगत स्वच्छता और पेशेवर उपस्थिति बनाए रखना जिम्मेदारी निभाने के लिए सर्वोपरि है। 'स्वच्छता' बीमारियों, संक्रमणों और बीमारियों के प्रसार आदि की रोकथाम के लिए स्वयं को और परिवेश को स्वच्छ रखने की व्यवस्था है। नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड से व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने और काम के दौरान अच्छी तरह से तैयार रहने की अपेक्षा की जाती है।

कुछ स्वच्छता मानक जिन्हें व्यक्ति को बनाए रखने की आवश्यकता होती है, वे इस प्रकार हैं—

व्यक्तिगत साज-सँवार

इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड न केवल स्वयं का बल्कि उस सुरक्षा एजेंसी का भी प्रतिनिधित्व करता है, जिसके अंतर्गत वह कार्यरत है। व्यक्तिगत सौंदर्य में व्यक्तिगत स्वच्छता को बनाए रखना शामिल है। एक अच्छी तरह से तैयार सुरक्षा गार्ड को आगंतुक गंभीरता से लेते हैं और उसके आदेश का सम्मान करते हैं।

वर्दी

चित्र 1.9: वर्दी में एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड

एक सुरक्षा एजेंसी अपने सुरक्षाकर्मियों द्वारा पहनी जाने वाली वर्दी और बैज को निर्दिष्ट करती है। वर्दी साफ़ और इस्त्री होनी चाहिए।

एक निजी सुरक्षा गार्ड द्वारा पहनी जाने वाली वर्दी थल सेना, नौसेना, वायुसेना या पुलिस के अधिकारियों से अलग होती है। निजी सुरक्षा एजेंसी (विनियमन) अधिनियम 2005 के अनुसार, यदि किसी निजी सुरक्षा एजेंसी का गार्ड थल सेना, नौसेना, वायुसेना या पुलिस की वर्दी पहनता है, तो सुरक्षा एजेंसी के गार्ड और मालिक को एक वर्ष की कैद या ज़ुर्माना या दोनों के साथ दंडित किया जा सकता है।

निजी सुरक्षा एजेंसी (विनियमन) अधिनियम 2005 के अनुसार, एक निजी सुरक्षा गार्ड की वर्दी में निम्नलिखित शामिल होना चाहिए—

- एक आर्म बैज, उस एजेंसी के नाम को दर्शाता है जिसके लिए वह काम कर रहा है।

© NCERT not to be republished

- कंधे या सीने पर लगा बैज संगठन में उसके पद को इंगित करता है।
- सीटी बायीं जेब में रस्सी से जुड़ी होती है।
- सुराख और फ़ीते वाले जूते।
- सिर की टोपी जिस पर एजेंसी की मुहर भी लगी हो सकती है।

हाथों की स्वच्छता

हाथों की स्वच्छता बनाए रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है, विशेषरूप से, कोविड-19 महामारी के प्रसार के दौरान। कोरोना वायरस श्वसन स्राव या बूँदों और दूषित सतहों से फैलता है। इसके चलते अल्कोहल-आधारित हैंड रब या एंटी-बैक्टीरियल साबुन या हैंड वॉश से हाथों को बार-बार साफ़ करना अनिवार्य हो जाता है। नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को विशेषरूप से भोजन करने से पहले और बाद में हाथ साफ़ करने चाहिए, ताकि भोजन की किसी प्रकार की गंध न आए और संक्रमण को रोका जा सके। नाखून त्वचा के बराबर कटे रहने चाहिए। गार्ड से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वह कार्यस्थल पर कर्मचारियों और आगंतुकों के बीच भी निरंतर और अच्छी तरह से हाथ धोने की संस्कृति को बढ़ावा दे। यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब एक अस्पताल में नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड तैनात किया जाता है, जहाँ विभिन्न बीमारियों— संचारी और गैर-संचारी रोगों के रोगी इलाज के लिए आते हैं।

चित्र 1.10: एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को कुछ व्यक्तिगत दैनिक स्वच्छता नियमों का पालन करना चाहिए।

© NCERT not to be republished

बालों की देखभाल

सुरक्षा गार्ड को हर समय अपने बालों को साफ़ और कंघी करके रखना चाहिए। बालों में कंघी करने से सिर को साफ़ रखने में सहायता मिलती है। इसके अलावा, यह बालों में चमक को बनाए रखता है। बालों के ब्रश को भी नियमित अंतराल पर साफ़ करना चाहिए। लंबे बालों वाली गार्ड अच्छे से जूड़ा या चोटी बाँध सकती हैं। छोटे बालों वाले गार्ड को अपने बाल छोटे और साफ़-सुथरे रखने चाहिए। पुरुषों को अपनी दाढ़ी और मूँछें मुँडवानी चाहिए या उन्हें बड़े करीने से काटना चाहिए।

स्नान

सुरक्षाकर्मियों को विशेषरूप से, काम पर आने से पहले और बाद में साबुन और पानी का उपयोग करते हुए स्नान करना चाहिए। त्वचा और आँखों के सूखेपन से बचने के लिए उन्हें दिन में दो बार अपना चेहरा और आँखों को धोना चाहिए। इसके अलावा, उन्हें अपने शरीर की गंध की जाँच करनी चाहिए और डिओडोरेंट या टैल्कम पाउडर लगाना चाहिए।

चित्र 1.11: अपने दाँतों को दिन में कम-से-कम दो बार मुलायम ब्रिसल वाले टूथब्रश से 2-4 मिनट तक ब्रश करना चाहिए।

मुँह की देखभाल

दाँतों की समस्या दाँतों और मसूड़ों में जीवाणु बनने के कारण होती है। दाँतों की कुछ सामान्य समस्याएँ हैं— प्लाक, टार्टर, अवधिगत रोग और दाँतों में सड़न। दंत स्वच्छता के अंतर्गत दिन में कम-से-कम दो बार सुबह उठने के बाद और रात्रि भोजन के पश्चात दो से चार मिनट के लिए मुलायम बाल वाले ब्रश से दाँतों को साफ़ करना चाहिए। इसके अलावा, कुछ भी खाने के तुरंत बाद पानी से कुल्ला करना चाहिए। किसी माउथ वॉश का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। दाँतों की सड़न को रोकने के लिए नियमित रूप से फ्लॉसिंग, जिसमें धागे से दाँतों और मसूड़ों के बीच फँसे खाने को साफ़ किया जाता है, करनी चाहिए। मुँह की देखभाल करने से मसूड़ों और दाँतों से जुड़ी व्याधियों, संक्रमण और साँसों की दुर्गंध से मुक्ति मिलती है। सुरक्षा गार्ड के लिए मुँह की देखभाल करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि व्यक्ति को कभी-कभी लोगों के नज़दीक जाकर बातचीत करनी पड़ सकती है।

पैरों की देखभाल

नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को दिन में कम-से-कम दो बार—कार्यस्थल पर आने से पहले नहाते समय और कार्यस्थल से घर पहुँचने के बाद संक्रमण को रोकने और गंध को दूर करने के लिए साबुन और पानी से अपने पैरों को साफ़ करना चाहिए।

© NCERT not to be republished

पैरों को धोने के बाद उन्हें रूखेपन से बचाने के लिए किसी प्रकार का लोशन लगाना चाहिए। गार्ड को प्रतिदिन साफ़ और धुले मोजे ही पहनने चाहिए। जूते नियमानुसार उपयुक्त और आरामदायक हों, क्योंकि व्यक्ति को सुरक्षा सेवा के रूप में कई घंटे खड़े रहने की आवश्यकता हो सकती है। जूतों की असहज जोड़ी से पैरों में थकान हो सकती है। गार्ड को यह देखना चाहिए कि जूते पॉलिश किए गए हैं।

नशीले पदार्थों से बचें

नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को कार्यस्थल पर शराब और तंबाकू उत्पादों का सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि ये मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। इससे सुरक्षा सेवाओं व व्यक्ति के काम पर भी विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। कार्यस्थल पर नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को हर समय सतर्क और सक्रिय रहने की आवश्यकता होती है। घटनाओं का निरीक्षण, रोकथाम और सूचित करना, जैसे कार्य व्यक्ति नशीले उत्पादों के प्रभाव में कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से करने में सक्षम नहीं हो सकता है। शराब के निरंतर सेवन से व्यक्ति अनेक व्याधियों से ग्रसित हो सकता है; जैसे— भूख न लगना, उदासी, चिंता, विटामिन की कमी, त्वचा, हृदय, यकृत और मस्तिष्क की समस्याएँ आदि। इसके अलावा, शारीरिक समन्वय में कमी, अस्पष्ट दृष्टि, अस्पष्ट ध्वनि और स्मृति क्षीणता की संभावित हानि हो सकती है। कम समय में शराब का अधिक सेवन करने से सिरदर्द, मतली, उल्टी, बेहोशी और अंतत: मृत्यु भी हो सकती है। इसके अलावा, यह किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता को सीमित करता है, जिससे वह अपराध और अन्य प्रकार के दुर्व्यवहार के प्रति संवेदनशील हो जाता है।

(क्वाड्रिसेप्स खिंचाव)

(कंधे का खिंचाव)

चित्र 1.12: कुछ वार्मिंग व्यायाम जो नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन करने चाहिए।

सामान्य व्यायाम

स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन व्यायाम करना चाहिए। कुछ सामान्य व्यायाम (वार्म-अप और वार्म-डाउन) सभी लोगों को करने चाहिए, जिन्हें चित्र 1.12 में दर्शाया गया है। वार्म-अप के लिए अपनाए जाने वाले व्यायामों में दौड़ना, पुशअप्स, उठक-बैठक और चिन-अप्स शामिल हैं, जबकि वार्म-डाउन में क्वाड्रिसेप्स स्ट्रेच, ग्लूट्स स्ट्रेच, हैमस्ट्रिंग स्ट्रेच और सीने के व्यायाम शामिल हैं। हर व्यायाम के अंत में मांसपेशियाँ सख्त हो सकती हैं, जिससे चोट लग सकती है या मांसपेशियों को हानि हो सकती है, इसलिए शरीर को फैलाना और कम-से-कम 15 सेकंड के लिए इसे स्थिर रखना बेहतर है।

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

आपने क्या सीखा?

इस सत्र को पूरा करने के बाद, आप—

- एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड की व्यक्तिगत स्वच्छता और सुरक्षा के महत्व का वर्णन करने में सक्षम होंगे।
- व्यक्तिगत स्वच्छता का पालन करने में सक्षम होंगे।

व्यावहारिक अभ्यास

गतिविधि

समूह चर्चा— कक्षा को समूहों में विभाजित करें। प्रत्येक समूह में चार सदस्य हों और चर्चा करें कि एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता और उपस्थिति क्यों महत्वपूर्ण है।

आवश्यक सामग्री— लेखन सामग्री

प्रक्रिया

- कक्षा को समूहों में विभाजित करें, प्रत्येक में चार सदस्य हों।
- समूह के सदस्य आपस में चर्चा करें कि एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता और उपस्थिति की आवश्यकता क्यों है।
- वे व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने के लिए अपनाए जाने वाले उपायों की चर्चा करें।
- समूह का एक सदस्य चर्चा में शामिल बिंदुओं को दर्ज करेगा।
- चर्चा और दर्ज बिंदुओं के आधार पर समूह के सदस्य कक्षा के सामने एक प्रस्तुति देंगे।
- वे अभिनय करके भी इसे प्रस्तुत कर सकते हैं।

© NCERT not to be republished

अपनी प्रगति जाँचें

क. रिक्त स्थान भरें

1. नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को .... और .... उत्पादों के सेवन से बचना चाहिए, क्योंकि ये व्यक्ति के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं।
2. .... स्वयं को और अपने आस-पास के स्थानों को साफ़ एवं स्वच्छ रखने का अभ्यास है ताकि बीमारियों के पैदा होने और उनके प्रसार को रोका जा सके।
3. एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड की भूमिका में व्यक्ति को हर समय .... और .... होना चाहिए ताकि वह घटनाओं का निरीक्षण, रोकथाम और सूचित करने का कार्य बेहतर ढंग से कर सके।

4. आगंतुकों द्वारा एक .... सुरक्षा गार्ड को गंभीरता से लिया जाता है और उसके आदेश का सम्मान किया जाता है।
5. एक निःशस्त्र सुरक्षा गार्ड जिस परिसर में तैनात है वहाँ विभिन्न क्षेत्रों में होने वाली गतिविधियों को देखने के लिए .... निगरानी प्रणाली का उपयोग कर सकता है।
6. .... अधिनियम 2005 के अनुसार, यदि कोई निजी सुरक्षा गार्ड या पर्यवेक्षक थल सेना, नौसेना, वायुसेना या पुलिस की यूनिफॉर्म पहनता है, तो सुरक्षा एजेंसी का गार्ड और मालिक दंड के भागी होंगे।

ख. विषय-वार प्रश्न

1. निःशस्त्र सुरक्षा गार्ड को नशीले पदार्थों के सेवन से क्यों बचना चाहिए?
2. निःशस्त्र सुरक्षा गार्ड को कार्यस्थल पर किस प्रकार की वर्दी पहननी चाहिए?
3. किन्हीं तीन व्यक्तिगत स्वच्छता व्यवस्थाओं की सूची बनाइए, जिनका एक निःशस्त्र सुरक्षा गार्ड को पालन करने की आवश्यकता है।

टिप्पणी

© NCERT not to be republished

इकाई 2

खतरों और आपात स्थितियों से निपटना

QRickit

171065CH02

सत्र 1— खतरा

खतरा एक ऐसी स्थिति को संदर्भित करता है जो खतरनाक है या जिसमें जीवन या संपत्ति को नुकसान पहुँचाने की क्षमता है। यह एक आपदा से अलग है, जो प्रकृति में अचानक और अप्रत्याशित है। खतरे को अक्सर 'जोखिम' शब्द के साथ एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया जाता है। एक जोखिम की संभावना इस बात पर निर्भर करती है कि किसी खतरे के संपर्क में आने पर व्यक्ति को नुकसान होगा या प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभाव का अनुभव होगा।

खतरे के प्रकार

खतरे को मोटे तौर पर प्राकृतिक और मानव निर्मित में वर्गीकृत किया जा सकता है—

प्राकृतिक खतरे

चित्र 2.1: पर्यावरणीय खतरे के लिए संकेत

ये प्राकृतिक या पर्यावरणीय परिघटनाओं के कारण होते हैं (चित्र 2.1)। प्राकृतिक खतरों में चक्रवात, भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी विस्फ़ोट आदि जैसी प्राकृतिक आपदाएँ आती हैं। भारत में अक्सर आने वाली प्राकृतिक आपदाओं में भूकंप, बाढ़, सुनामी और भूस्खलन (वर्षा के मौसम के दौरान पहाड़ी क्षेत्रों में) शामिल हैं।

मानव निर्मित खतरे

ये मानवीय लापरवाही या दुर्घटनाओं के कारण होते हैं। मानव निर्मित खतरों में विस्फ़ोट, जहरीले कचरे और गैसों का रिसाव, प्रदूषण, नागरिक संघर्ष,

© NCERT not to be republished

दुर्घटनाएँ, औद्योगिक दुर्घटनाएँ, आग, साइबर और आतंकवादी हमले आदि शामिल हैं।

खतरों का वर्गीकरण

स्थिति की प्रेरक शक्तियों के आधार पर खतरों को निम्नलिखित ढंग से वर्गीकृत किया जा सकता है—

चित्र 2.2: जैविक खतरे के लिए संकेत

जैविक खतरे

ये जीवाणु, विषाणु, कीड़ों, पौधों, पशु-पक्षी और मनुष्य जैसे जीवित जीवों के कारण होते हैं (चित्र 2.2)। कोविड-19 महामारी जैविक खतरों का एक उदाहरण है।

चित्र 2.3: सुनामी के लिए संकेत

जल विज्ञान संबंधी खतरा

इनकी पहचान जल प्रवाह और वितरण जैसी जलीय प्रक्रियाओं से जुड़ी उग्र घटनाओं से होती है। जल विज्ञान संबंधी खतरों में सूखा, सुनामी, बाढ़ और संबंधित घटनाएँ जैसे भूस्खलन, नदी का परिमार्जन और जमाव शामिल हैं (चित्र 2.3)।

चित्र 2.4 भूस्खलन के लिए संकेत

भूवैज्ञानिक खतरे

ये ज्वालामुखीय गतिविधि और विवर्तनिक प्लेटों में हलचल के कारण होते हैं, उदाहरण के लिए, भूस्खलन और भूकंप (चित्र 2.4)।

मौसम संबंधी खतरे

ये वातावरण में प्रक्रियाओं के परिणामस्वरूप होते हैं, उदाहरण के लिए, अत्यधिक तापमान और सूखा।

चित्र 2.5 रासायनिक खतरे के लिए संकेत

रासायनिक खतरे

ये रासायनिक प्रतिक्रिया (चित्र 2.5) के कारण होते हैं। नुकसान की गंभीरता शामिल रसायनों के विषाक्त गुणों पर निर्भर करती है।

चित्र 2.6: एर्गोनोमिक खतरे के लिए संकेत

एर्गोनोमिक खतरे

ये शारीरिक स्थितियों और मुद्राओं को संदर्भित करते हैं जो पेशी कंकाल तंत्र यानी मस्कुलोस्केलेटल सिस्टम को चोट लगने का खतरा पैदा कर सकते हैं (चित्र 2.6)। ये गलत मुद्रा में बैठने, असहज कुर्सियों, औज़ारों और उपकरणों के अनुचित उपयोग आदि के कारण पैदा होते हैं।

© NCERT not to be republished

आसनों से सावधान रहें

एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को कभी-कभी लंबे समय तक खड़ा रहना पड़ सकता है। गार्ड की भूमिका में किसी को बार-बार झुकना भी पड़ सकता है। लंबे समय तक खड़े रहने, गलत तरीके से झुकने और भार उठाने से मांसपेशी एवं हड्डी विकार उत्पन्न हो सकते हैं, जो गर्दन, अंगों और शरीर के अन्य हिस्सों को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए सभी को कार्यस्थल पर अपनी मुद्राओं के प्रति हमेशा सावधान रहना चाहिए, विशेष रूप से झुकते समय, उठाते समय और भार ले जाते समय। अचानक और अधिक भार उठाने से मांसपेशियों में खिंचाव और लिगामेंट के टूटने जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। आसन संबंधी समस्याओं से बचाव के लिए कुछ उपाय अपना सकते हैं, वे इस प्रकार हैं—

- शरीर के किसी विशेष अंग को अधिक देर तक तनाव में न रखें।
- हर आधे घंटे में शरीर को चलाएँ और फैलाएँ।
- अक्सर विभिन्न प्रकार की सेवाओं या गतिविधियों का प्रदर्शन करके मुद्रा बदलते हैं।
- सुनिश्चित करें कि कुर्सी आरामदायक और उचित ऊँचाई की हो, क्योंकि किसी को कुछ कर्तव्यों को निभाने के लिए बैठना पड़ सकता है।
- शरीर को स्वस्थ और लचीला बनाए रखने के लिए व्यायाम करें।

चित्र 2.7: शारीरिक खतरों के संकेत

शारीरिक जोखिम

ये विकिरण, चुंबकीय क्षेत्र के संपर्क में आने, अत्यधिक दबाव (उच्च दबाव या निर्वात), शोर आदि के कारण होते हैं (चित्र 2.7)।

मनौवैज्ञानिक या संज्ञानात्मक खतरे

ये हिंसा, अत्यधिक दबाव और कार्यस्थल पर संघर्ष आदि के कारण होते हैं।

सुरक्षा के खतरे

इन खतरों में फिसलना और ठोकर लगना, मशीन और उपकरणों का अनुचित संचालन या उनका टूटना आदि शामिल हैं (चित्र 2.8)। घर, कार्यस्थल या सार्वजनिक स्थानों पर कई सुरक्षा खतरों का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा एक कार्यस्थल पर लगे लोगों की सुरक्षा, कल्याण और बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित करने से संबंधित क्षेत्र है। व्यावसायिक खतरों के कुछ सामान्य कारण इस प्रकार हैं—

- गीली या फिसलन वाली सतह
- शॉर्ट सर्किट
- ऊँचाई से गिरना

चित्र 2.8: सुरक्षा खतरों में फिसलना, लड़खड़ाना और गिरना शामिल है।

© NCERT not to be republished

- भारी वज़न को स्वयं संभालना
- जहरीले धुएँ में साँस लेना
- आग
- मशीनों, उपकरणों और औज़ारों का गलत तरीके से प्रयोग या उनका टूटना
- कचरे में खतरनाक या नुकीली वस्तुएँ

फिसलन, लड़खड़ाने और गिरने से रोकना

फिसलन

फिसलन तब होती है जब चलते समय पैरों और सतह के बीच पर्याप्त घर्षण या कर्षण नहीं होता है। फिसलन को रोकने के लिए अपनाए जा सकने वाले कुछ उपाय इस प्रकार हैं—

- फिसलन भरे फर्श पर चलते समय ध्यान रखें।
- इस बात का ध्यान रखें कि फर्श पर किसी प्रकार का कूड़ा न पड़ा हो।
- संबंधित सफ़ाई कर्मचारियों को तुरंत कूड़े-कचरे को साफ़ करने के लिए कहें।

लड़खड़ाना

ऐसा तब होता है जब पैर किसी वस्तु से टकराता है, जिससे संतुलन बिगड़ जाता है। लड़खड़ाने से बचने के लिए कुछ तरीके अपनाए जा सकते हैं जो इस प्रकार हैं—

- ध्यान दें कि कोई लटकते तार और केबल बिखरे न हों।
- मंद रोशनी वाले क्षेत्रों में और गीले फर्श पर चलते समय सतर्क रहें।

गिरना

इनकी पहचान घटनाओं से जुड़ी परिस्थितियों से होती है, जिनमें गिरना शामिल है। गिरने से बचने के लिए कुछ सावधानियाँ जो बरतनी चाहिए, वे इस प्रकार हैं—

- सीढ़ी चढ़ते समय दोनों हाथों का प्रयोग करें।
- सीढ़ियों से चढ़ते या उतरते समय एक हाथ को सहारे के लिए खुला रखें।

जोखिम के बारे में सूचित करने की प्रक्रिया

कार्यस्थल पर खतरा आम बात है। कुछ खतरों के बारे में पर्यवेक्षक को मौखिक रूप से सूचित किया जा सकता है जबकि कुछ खतरों के बारे में नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को 'खतरे की रिपोर्ट' फॉर्म को विधिवत भरने और संबंधित प्राधिकारी को जमा करने की आवश्यकता हो सकती है। गंभीर खतरों की सूचना हमेशा पर्यवेक्षक या कार्यस्थल स्वास्थ्य और सुरक्षा अधिकारी को तुरंत दी जानी चाहिए। जिस

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

संगठन के लिए सुरक्षा व्यवस्था की गई है, उसके पास आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए विशिष्ट प्रक्रियाएँ होंगी, जो आमतौर पर आपातकालीन प्रक्रिया नियमावली में निर्दिष्ट होती हैं।

खतरे की रिपोर्ट का फॉर्म

यह खतरों की रिपोर्ट करने का एक सामान्य तरीका है। यह प्रपत्र खतरनाक घटना को दर्ज करने में मदद करता है और यह सुनिश्चित करता है कि उचित और समय पर कार्रवाई की जाए। यह खतरे की प्रकृति और स्थान का वर्णन करता है, जिसने इसे पहले देखा, किसको इसकी सूचना दी गई और कार्रवाई की गई।

खतरे की रिपोर्ट के फॉर्म का नमूना
1. खतरे या स्वास्थ्य और सुरक्षा के मुद्दे का संक्षिप्त विवरण
2. घटना की तिथि, समय और स्थान (कार्यस्थल पर)
दिनांक— ..../......../............... समय— ....
स्थान—
3. इसने क्षेत्र के निवासियों या श्रमिकों को कैसे प्रभावित किया?
4. स्वास्थ्य और सुरक्षा विभाग के अलावा इस मामले को देखने के लिए किसे सूचित किया गया था?
5. समस्या को ठीक करने के लिए क्या कार्रवाई की गई?
6. क्या खतरे को दूर किया गया है? (हाँ/नहीं)
7. क्या आप खतरे को निश्चित मानते हैं? (हाँ/नहीं)
हस्ताक्षर
दिनांक— ..../......../............... (दिन/महीना/वर्ष)

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

आपने क्या सीखा?

इस सत्र को पूरा करने के बाद, आप—

- खतरे और उसके प्रकारों का वर्णन करने में सक्षम होंगे।
- खतरे की रिपोर्ट का फॉर्म भरने में सक्षम होंगे।
- जोखिम की सूचना से संबंधित प्रक्रिया को अपनाने में सक्षम होंगे।

व्यावहारिक अभ्यास

गतिविधि

समूह चर्चा— कक्षा को समूहों में विभाजित करें। प्रत्येक में चार विद्यार्थी हों और खतरों पर चर्चा शुरू करें।

आवश्यक सामग्री— लेखन सामग्री

प्रक्रिया

- शिक्षक कक्षा को समूहों में विभाजित करें, जिसमें चार छात्र प्रत्येक समूह में शामिल हों।
- प्रत्येक समूह को खतरे और जोखिम के बीच अंतर और कार्यस्थल पर एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड के सामने आने वाले विभिन्न प्रकार के खतरों पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- शिक्षक छात्रों को प्राकृतिक और मानव निर्मित खतरों के बीच अंतर स्पष्ट करने के लिए भी कह सकते हैं।
- चर्चा के बाद, प्रत्येक समूह के विद्यार्थी महत्वपूर्ण बिंदुओं को संक्षेप में प्रस्तुत करेंगे और उन्हें एक नोटबुक में लिखेंगे।
- वे इन बिंदुओं के आधार पर एक चार्ट भी बना सकते हैं और कक्षा के सामने एक प्रस्तुति दे सकते हैं।
- शिक्षक विद्यार्थियों को प्रतिक्रिया देने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

अपनी प्रगति जाँचें

क. रिक्त स्थान भरें

1. .... एक संभावना है कि किसी व्यक्ति को नुकसान होगा या किसी खतरे के संपर्क में आने पर प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभाव का अनुभव होगा।
2. व्यावसायिक .... और .... एक कार्य में लगे लोगों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण को सुनिश्चित करने से संबंधित हैं।
3. एक .... खतरा जीवित जीवों जैसे कि जीवाणु, विषाणु, कीड़ों, पौधों, पशु-पक्षियों, मनुष्यों आदि के कारण होता है।
4. रासायनिक खतरे से होने वाले नुकसान की गंभीरता एक रसायन के .... पर निर्भर करती है।

© NCERT not to be republished

ख. बहुविकल्पीय प्रश्न

1. .... खतरे बैठने की गलत मुद्रा, असहज कुर्सियों, औज़ारों व उपकरणों के अव्यवस्थित उपयोग आदि के कारण उत्पन्न होते हैं।
   (क) एर्गोनोमिक (ख) शारीरिक
   (ग) रासायनिक (घ) जैविक
2. .... खतरे एक रासायनिक प्रतिक्रिया के कारण होते हैं।
   (क) एर्गोनोमिक (ख) शारीरिक
   (ग) रासायनिक (घ) जैविक
3. .... खतरे कार्यस्थल पर हिंसा, अधिक दबाव और संघर्ष के कारण होते हैं।
   (क) मनोवैज्ञानिक (ख) शारीरिक
   (ग) रासायनिक (घ) जैविक
4. .... खतरे विकिरण, चुंबकीय क्षेत्र के संपर्क में आने, अत्यधिक दबाव (उच्च दबाव या निर्वात) और शोर के कारण उत्पन्न होते हैं।
   (क) मनोवैज्ञानिक (ख) शारीरिक
   (ग) रासायनिक (घ) जैविक

ग. विषय-वार प्रश्न

1. फिसलने, लड़खड़ाने और गिरने की व्याख्या करें। फिसलने, लड़खड़ाने और गिरने से बचाव के लिए क्या-क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए?
2. जोखिम सूचना की प्रक्रिया क्यों इतनी महत्वपूर्ण है? एक नमूना खतरा रिपोर्ट प्रपत्र बनाएँ।

सत्र 2— आपात स्थितियाँ

आपात स्थिति एक अचानक और अप्रत्याशित घटना है, जिसके लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता होती है। एक आपातकालीन स्थिति जीवन और संपत्ति के लिए खतरा पैदा कर सकती है। आपात स्थिति में सरकारी, गैर-सरकारी संगठन और स्वयंसेवी एजेंसियाँ तत्काल प्रतिक्रिया और राहत उपाय करती हैं, जिसमें स्थिति को नियंत्रित करना और संभालना, खोज और बचाव अभियान चलाना और प्रभावित लोगों को भोजन, कपड़े, आश्रय, प्राथमिक चिकित्सा और दवाएँ उपलब्ध कराना शामिल है।

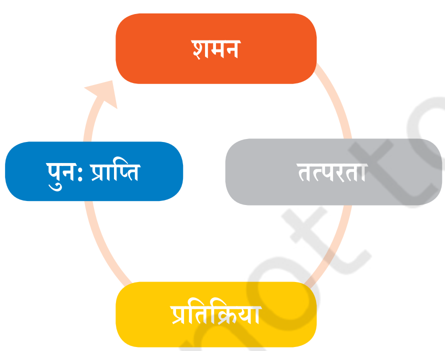

चित्र 2.9: आपातकालीन प्रबंधन कार्यक्रम के घटक

आपातकालीन प्रबंधन

एक आपातकालीन प्रबंधन कार्यक्रम जीवन और संपत्ति को खतरों और आपदाओं से बचाने में मदद करता है। एक व्यापक आपातकालीन प्रबंधन कार्यक्रम में ये चरण शामिल हैं (चित्र 2.9)—

© NCERT not to be republished

- शमन
- तत्परता
- प्रतिक्रिया
- पुन: प्राप्ति

जोखिम की पहचान करने के बाद ही 'शमन' किया जा सकता है। यह किसी आपात स्थिति से पहले या बाद में किया जा सकता है। शमन में जोखिम की संभावना या गंभीरता को समाप्त करने या कम करने के लिए किए गए प्रयास शामिल हैं; जैसे— भवन-निर्माण संहिता तैयार करना (नियमावली जो भवन और गैर-भवन जैसी संरचनाओं के लिए न्यूनतम स्वीकार्य स्तर की सुरक्षा निर्दिष्ट करती है), भेद्यता विश्लेषण आयोजित करना (खतरे के कारण होने वाले विनाशकारी प्रभावों का आकलन करने के लिए रिमोट सेंसिंग सिस्टम का उपयोग करना), क्षेत्रीकरण और भूमि उपयोग प्रबंधन करना (भूमि के हिस्से को दूसरे से अलग करने के लिए अनुमत उपयोग को नामित करने का अभ्यास), निवारक स्वास्थ्य देखभाल और सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था को अपनाना।

नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड शमन प्रक्रिया में एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य कर सकता है, क्योंकि वह उस सुविधा या स्थान के बारे में अच्छी तरह से जानता है जिसकी रखवाली की जा रही है और वहाँ मौज़ूद संपत्ति और लोगों से जुड़े संभावित खतरों के प्रति भी वह सचेत है।

'तैयारी' प्रभावी तरीके से और समय पर 'प्रतिक्रिया' और 'पुनर्प्राप्ति' सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाने पर ज़ोर देती है। इसमें एक कार्य-योजना शामिल है जिसका आपात स्थिति में पालन किया जाना चाहिए और स्थिति से निपटने के लिए की गई व्यवस्थाएँ शामिल हैं।

जोखिम का आकलन करने के बाद ही व्यवस्था की जाती है इसलिए 'प्रतिक्रिया' में आपात स्थिति से निपटने के लिए उचित उपाय करना शामिल है। इसमें कार्य-योजना पर काम करना शामिल है। प्रतिक्रिया का उद्देश्य 'पुनर्प्राप्ति' है अर्थात जीवन-रक्षा करना, संपत्ति की क्षति होने से बचाना और प्रभावित क्षेत्र को सुरक्षित बनाना।

आग

कार्यस्थल पर आग लगना नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड के लिए सामान्य आपातकालीन स्थितियों में से एक है, जिसके पीछे विभिन्न कारण हो सकते हैं; जैसे— जलती माचिस और सिगरेट बड्स, शॉर्ट सर्किट आदि के प्रति लापरवाही।

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

आग के घटक

आग के तीन घटक हैं— गरमी, ऑक्सीजन और ईंधन। ईंधन (गैर-गैसीय अवस्था में) सीधे नहीं जलता है। जब ईंधन को ऊष्मा की आपूर्ति की जाती है तो यह गैस स्रावित करता है। जब हवा में उपलब्ध ऑक्सीजन इस गैस के साथ मिलती है तो आग पैदा होती है। यहाँ तक कि यदि इन घटकों में से एक को हटा दिया जाए (उदाहरण के लिए, ऊष्मा समाप्त करने के लिए ईंधन पर पानी डालें या ऑक्सीजन को समाप्त करने के लिए इसे मिट्टी या रेत से ढकें), तो आग बुझ जाएगी।

आग के वर्ग

आग को पाँच वर्गों में विभाजित किया जा सकता है— ए, बी, सी, डी और के। यह विभाजन ईंधन उपलब्ध करवाने वाले तत्वों के आधार पर किया गया है। इस तरह ईंधन के वर्गीकरण से अग्निशमन तत्वों के प्रकार की पहचान करने में सहायता मिल सकती है (तालिका 2.1 देखें)।

तालिका 2.1—आग के वर्ग, उनके कारण और आग बुझाने वाले तत्व

आग के वर्ग	कारण	आग बुझाने वाले तत्व
ए(A)	लकड़ी, कागज़, कचरा और प्लास्टिक जैसे साधारण ज्वलनशील पदार्थ	इस प्रकार की आग को बुझाने के लिए पानी का उपयोग किया जा सकता है।
बी(B)	ज्वलनशील तरल पदार्थ; जैसे— तेल, गैसोलीन, पेट्रोलियम पेंट, पेंट, पैराफिन और प्रोपेन व ब्यूटेन जैसी गैसें।	ऑक्सीजन की आपूर्ति रोककर इस प्रकार के अग्निशमन में सहायता मिल सकती है।
सी(C)	बिजली पैदा करने वाले विद्युत उपकरण; जैसे— मोटर, ट्रांसफार्मर और बिजली के अन्य उपकरण।	बिजली की आपूर्ति को बाधित करने और कार्बन डाइऑक्साइड जैसे गैर-प्रवाहकीय तत्वों के उपयोग से इस प्रकार की आग को बुझाने में सहायता मिल सकती है।
डी(D)	पोटेशियम, सोडियम, एल्यूमीनियम, मैग्नीशियम और टाइटेनियम के कारण ज्वलनशील धातुओं की आग।	सूखे पाउडर का उपयोग किया जा सकता है, जो ऊष्मा को अवशोषित करने और उसे गलाने का काम करता है। इस तरह की आग को बुझाने के लिए पानी का उपयोग नहीं करना चाहिए।
के (K)	रसोईघर की आग जो भोजन पकाने के तेल, ग्रीस, पशु और वनस्पति वसा आदि से प्रज्वलित होती है।	जामुनी 'के'(K) वाले रसोई के अग्निशामक यंत्र का उपयोग करके इसे बुझाया जा सकता है। गीले रासायनिक अग्निशामकों का भी उपयोग किया जा सकता है।

© NCERT not to be republished

अग्निशामक

प्रत्येक सुविधा चाहे आवासीय हो या आधिकारिक, में एक सुवाह्य अग्निशामक होना चाहिए। नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को उसके स्थान और संचालन के बारे में जानकारी होनी चाहिए। हालाँकि अग्निशामक यंत्र का उपयोग करने से पहले जोखिम का मूल्यांकन कर लेना चाहिए, दुर्घटना के क्षेत्रफल का मूल्यांकन करना चाहिए और निकासी योजना का पता लगाना चाहिए। अग्निशामक यंत्र के संचालन की प्रक्रिया को चित्र 2.10 में दर्शाया गया है।

अनुसरण करने के चरण

आग बुझाने के लिए पास (PASS) विधि का पालन करें।

चरण 1 (Pull) — अग्निशामक यंत्र की पिन खींचें।

चरण 2 (Aim) — आग की चपेट में आए स्थान को निशाना बनाएँ।

चरण 3 (Squeeze) — अग्निशामक के हैंडल को दबाएँ।

चरण 4 (Sweep) — अग्निशामक की टोंटी या नोजल को दायें-बायें और ऊपर-नीचे करें।

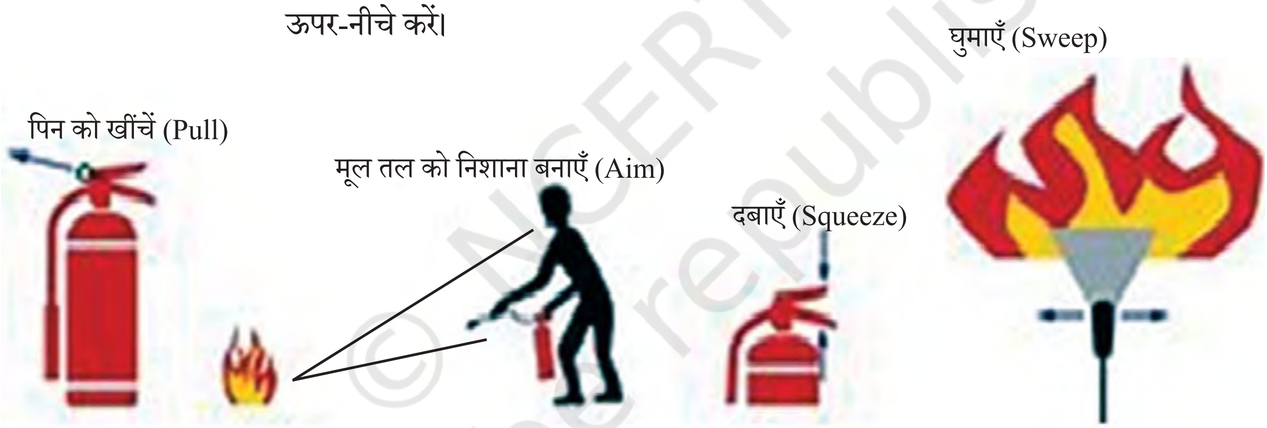

चित्र 2.10: अग्निशामक यंत्र को संचालित करने के लिए पास (PASS) विधि का पालन करें।

विभिन्न प्रकार के अग्निशामक

चित्र 2.11: विभिन्न प्रकार के अग्निशामक यंत्र

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

जल अग्निशामक

यह ऊष्म तत्वों को समाप्त करने का कार्य करता है। इसका उपयोग केवल श्रेणी ए(A) प्रकार की आग के लिए किया जाता है, क्योंकि यह अन्य आग के मामलों में खतरनाक हो सकता है। यदि श्रेणी बी (B) प्रकार की आग को बुझाने के लिए पानी का उपयोग किया जाता है तो ज्वलनशील तरल फैल सकता है जबकि श्रेणी सी (C) की आग के मामले में यह बिजली के झटके का कारण बन सकता है।

फोम अग्निशामक

इसका उपयोग श्रेणी ए (A) और बी (B) की आग को बुझाने के लिए किया जा सकता है लेकिन श्रेणी सी (C) प्रकार की आग के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

कार्बन डाइऑक्साइड अग्निशामक

यह दो घटकों को समाप्त करके काम करता है— ऑक्सीजन की आपूर्ति और गरमी। इसका उपयोग श्रेणी बी (B) और श्रेणी सी (C) की आग को बुझाने के लिए किया जाता है लेकिन श्रेणी ए (A) की आग के मामले में अप्रभावी होता है।

शुष्क रासायनिक अग्निशामक

यह श्रेणी ए (A), बी (B) और सी (C) की आग के मामलों में प्रभावी है, इसलिए इसे 'बहुउद्देशीय शुष्क रसायन' अग्निशामक कहा जाता है। यह ऑक्सीजन और ईंधन के मध्य अवरोध पैदा करता है और आग को बुझा देता है।

आर्द्र रासायनिक अग्निशामक

यह श्रेणी के (K) प्रकार की आग (खाना पकाने के तेल, वसा आदि के कारण भड़कने वाली) के मामले में काम करता है। यह गरमी को समाप्त करता है और ऑक्सीजन और ईंधन के बीच अवरोध पैदा करता है।

क्लीन एजेंट अग्निशामक

ये दहन प्रक्रिया को बाधित करने के लिए हेलोन और हेलोकार्बन एजेंटों का उपयोग करते हैं। वे आमतौर पर श्रेणी बी (B) और सी (C) की आग बुझाने के लिए उपयोग किए जाते हैं। उपयोग करने पर वे कोई अवशेष नहीं छोड़ते हैं इसलिए इसका नाम 'क्लीन एजेंट' है। श्रेणी ए (A) की आग को बुझाने के लिए क्लीन एजेंट अग्निशामक का उपयोग किया जाता है।

विशेष शुष्क पाउडर अग्निशामक

यह ऑक्सीजन और ईंधन के बीच एक अवरोध पैदा करता है, जिससे आग बुझती है। यह श्रेणी डी (D) की आग के लिए प्रभावी है, जिसमें दहनशील धातुएँ शामिल हैं— लिथियम, मैग्नीशियम या एल्यूमीनियम।

© NCERT not to be republished

जल धुंध या वाटर मिस्ट अग्निशामक

यह गरमी पैदा करने वाले तत्वों को कम करता है और क्लीन एजेंट अग्निशामक के विकल्प के रूप में उपयोग किया जा सकता है। यह मुख्य रूप से श्रेणी ए (A) की आग बुझाने के लिए उपयोग किया जाता है। हालाँकि इसका उपयोग श्रेणी सी (C) की आग बुझाने के लिए भी किया जा सकता है।

कार्ट्रिज संचालित शुष्क रासायनिक अग्निशामक

यह मुख्य रूप से श्रेणी ए (A) की आग बुझाने के लिए उपयोग किया जाता है। यह ईंधन को ऑक्सीजन की आपूर्ति में कटौती करता है और आग को बुझा देता है।

आग लगने पर प्रतिक्रिया

प्रथम कार्रवाई

यदि कोई व्यक्ति त्वरित कार्रवाई करता है और उसे पूर्व ज्ञान है कि ब्रेकआउट के मामले में क्या करना है तो प्रत्येक दुर्घटना से कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता है। कार्यस्थल पर नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को निम्नलिखित कार्य करने होते हैं—

- शांत रहें और घबराए नहीं।
- आस-पास के लोगों को सचेत करें।
- अग्निशमन सेवा हेल्पलाइन नंबर 101 पर तुरंत फोन मिलाएँ।
- भीषण आग लगने की स्थिति में भागने का प्रयास करें। हालाँकि कोई भी व्यक्ति आग को बुझाने का प्रयास कर सकता है, यदि वह मामूली हो।
- अगर कोई आग बुझाने का निर्णय लेता है तो सही प्रकार के अग्निशामक का चयन ध्यानपूर्वक करें।
- यदि कोई आग पर काबू पाने में सक्षम नहीं है तो बेहतर होगा कि इमारत से जल्द-से-जल्द बाहर निकल जाएँ और दमकल को बुलाएँ।
- आपात स्थिति में निकटतम सुरक्षित स्थान या निर्दिष्ट क्षेत्र पर जाने के लिए रास्ता बनाएँ।
- यदि कोई व्यक्ति भूतल के अलावा किसी अन्य मंज़िल पर है तो आपात स्थिति में इमारत को खाली करने के लिए हमेशा सीढ़ियों का उपयोग करना चाहिए। लिफ्ट का उपयोग न करें।
- यदि कोई प्रभावित इमारत के अंदर फँसा रह जाता है तो नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को तुरंत अग्निशमन कर्मियों को सूचित करना चाहिए। भवन में पुन: प्रवेश न करें।

प्राथमिक चिकित्सा

यदि कोई आग की चपेट में आता है तो उसे रोकना चाहिए, ढकना चाहिए और लुढ़काना चाहिए। कपड़ों पर आग की लपटों को बुझाने का यह पहला कदम है।

© NCERT not to be republished

यदि नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड आग की चपेट में आए व्यक्ति को देखता है, तो इन चरणों का पालन करना चाहिए—

- पीड़ित की सहायता करें और जले हुए स्थान को कम-से-कम 20 मिनट के लिए बहते ठंडे पानी के नीचे रखें।
- यदि बहता पानी उपलब्ध न हो तो जले हुए स्थान को ढकने के लिए गीले कपड़े का प्रयोग करें।
- जले पर बर्फ़ या क्रीम न लगाएँ।
- त्वचा को अधिक गरमी से बचाने और रक्त के प्रवाह को रोकने के लिए प्रभावित क्षेत्र से कपड़े और आभूषण तुरंत हटा दें।
- फफोलों को न फोड़ें, क्योंकि इससे दर्द हो सकता है और संक्रमण की संभावना बढ़ सकती है।

रेस (*RACE*) सूत्र

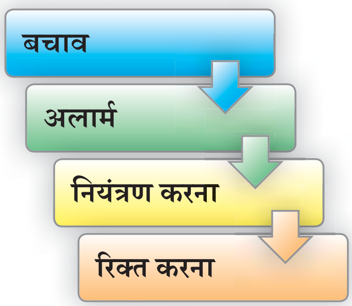

आग की आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को रेस सूत्र का पालन करना चाहिए, जिसका आशय है— बचाव (Rescue), अलार्म (Alarm), नियंत्रण (Contain) और रिक्त करना या निकासी (Evacuate)।

आर (R)— बचाव

खोज और बचाव कार्यों को करने के लिए प्रशिक्षित कर्मचारियों, प्रभावी योजना और समूह में कार्य करने की आवश्यकता होती है। जब मामूली आग का पता चलता है तो नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को शांत रहना चाहिए और लोगों की रक्षा करने में सहायता करनी चाहिए। लेकिन अपने जीवन को खतरे में नहीं डालना चाहिए। भीषण आग लगने की स्थिति में गार्ड को तत्काल निकटतम दमकल केंद्र को सूचित करना चाहिए और सहायता लेनी चाहिए।

बचाव अभियान

सुरक्षित बचाव या निकास के लिए इन चरणों का पालन करें—

- निकटतम निकास बिंदु की तलाश करें— दरवाज़ा या खिड़की।
- बाहर निकलते समय, ज़ोर से पूछें कि क्या कोई अंदर फँसा रह गया है?
- यदि कोई हताहत होता है तो कंबल की सहायता से घायल व्यक्ति को मलबे से बचाएँ।
- सुरक्षित निकास हेतु रास्ता बनाने के लिए मलबे को हटाते समय सावधान रहें, क्योंकि यह ढहने का कारण बन सकता है।
- दरवाज़े को हथेली के पिछले हिस्से से स्पर्श करें, क्योंकि हथेली संवेदनशील होती है और सरलता से जल सकती है।
- यदि कोई दरवाज़ा गरम लगता है तो उसे न खोलें।
- धुआँ विषैला होता है इसलिए धरती पर लेट जाएँ।
- साँस लेते समय धुएँ को अंदर जाने से रोकने के लिए मुँह को एक नम कपड़े से ढकना चाहिए।
- इमारत से जल्दी और सुरक्षित रूप से बाहर निकलने के लिए निकटतम सीढ़ियों की ओर बढ़ें।
- लिफ्ट का उपयोग न करें।

© NCERT not to be republished

ए (Alarm)—अलार्म

नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को फायरबॉक्स के लीवर को खींचकर अलार्म बजाना चाहिए और लोगों की सहायता व चेतावनी देने के लिए सुरक्षित दूरी से पुकार लगानी चाहिए।

चित्र 2.12: इमारत को खाली करने के लिए हमेशा सीढ़ियों का उपयोग करें।

सी (Control)—नियंत्रण

इमारत में उपस्थित लोगों से अपने घरों या कार्यालयों में आग की रोकथाम के लिए सभी दरवाज़े, खिड़कियाँ और अन्य खुले स्थानों को बंद करने के लिए कहना चाहिए। गार्ड को गैर-दहनशील बाधाओं का उपयोग कर आग पर काबू पाने का प्रयास करना चाहिए; जैसे— रास्ते में रेत का ढेर।

ई (Exit)—निकासी

नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को प्रभावित इमारत को तुरंत खाली करने में लोगों की सहायता करनी चाहिए। हालाँकि क्षेत्र में प्रवेश करते समय सभी आवश्यक सावधानियाँ बरतनी चाहिए। भवन को खाली करने के लिए हमेशा सीढ़ियों का उपयोग करना चाहिए। कभी भी लिफ्ट या एस्केलेटर का उपयोग न करें (चित्र 2.12 देखें)। अगर कोई अंदर फँसा रह जाता है तो गार्ड को तुरंत दमकलकर्मियों को सतर्क करना चाहिए और स्वयं इमारत में घुसने का प्रयास नहीं करना चाहिए।

अभ्यास (ड्रिल)

आग की आपात स्थिति में सही समय पर उचित निर्णय लेना आवश्यक है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो इससे जान-माल की हानि हो सकती है। आग से निपटने के लिए नि:शस्त्र सुरक्षा गार्डों सहित सुरक्षाकर्मियों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों में से एक अग्नि अभ्यास (फायर ड्रिल) है।

'ड्रिल' मुख्य रूप से पुलिस, सशस्त्र बलों, अग्निशमन इकाइयों, राष्ट्रीय कैडेट कोर आदि से संबंधित सुरक्षाकर्मियों द्वारा की जाने वाली एक शारीरिक गतिविधि है, जिसमें वे क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए अनुशासन, सामूहिक कार्य, अधिकार और एकरूपता प्रदर्शित करते हैं।

अभ्यास करने के कुछ लाभ इस प्रकार हैं—

- अभ्यास आपात स्थिति के मामले में एक समूह को शीघ्र और प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया करने की अनुमति देता है।
- ये किसी व्यक्ति या समूह को किसी उपकरण या शस्त्र की मानक संचालन प्रक्रियाओं से परिचित होने में सहायता करते हैं।

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

- इस तरह की गतिविधियाँ समूह के साथियों में विश्वास पैदा करती हैं और उन्हें विभिन्न गतिविधियों को कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से करने के लिए प्रशिक्षित करती हैं।

अग्निशमन अभ्यास

अग्निशमन का अभ्यास करते समय नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को निम्नलिखित कार्य करने की आवश्यकता होती है—

- जाँच करें कि भवन में पर्याप्त संख्या में अग्निशामक यंत्र स्थापित हैं या नहीं।
- सुनिश्चित करें कि अग्निशामक यंत्र काम कर रहे हैं और उनकी वैधता समाप्त नहीं हुई है।
- यह देखें कि सुविधा हेतु स्थापित सभी फायर अलार्म चालू हैं और कार्य कर रहे हैं।
- निर्दिष्ट मानक संचालन प्रक्रियाओं के अनुसार आपातकालीन उपकरणों का उपयोग करें।
- आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करें।
- पीड़ितों को तुरंत प्राथमिक उपचार दें (हालाँकि अपने जीवन को खतरे में डाले बिना ऐसा करना चाहिए।)
- तुरंत दमकल और रैपिड एक्शन फोर्स (आर.ए.एफ.) को सूचित करें।

बिजली का झटका और विद्युतमारण

जब कोई व्यक्ति विद्युत ऊर्जा स्रोतों के संपर्क में सीधे आता है, जिसमें विद्युत धारा प्रवाहित करने के लिए पर्याप्त वोल्टेज होता है तो व्यक्ति को बिजली के झटके का अनुभव होता है। विद्युत ऊर्जा के संपर्क में आने से संभव है कि किसी प्रकार की हानि न हो या फिर गंभीर क्षति और यहाँ तक कि मृत्यु होने की संभावना भी बन सकती है। जलने, तंतु विकसन, गंभीर तंत्रिकीय क्षति, हड्डियों को क्षति और श्वसन प्रणाली को नुकसान या बिजली के झटके से लगने वाली चोट को 'विद्युतमारण (इलैक्ट्रोक्यूशन)' कहा जाता है। दोषपूर्ण बिजली के यंत्रों, उपकरणों और तारों के कारण पैदा होने वाले विद्युत झटके गंभीर चोटों का कारण बन सकते हैं और यहाँ तक कि स्थायी विकलांगता भी हो सकती है। इसलिए मशीनों या खुली हुई बिजली के तारों के आस-पास काम करते समय अत्यधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है। सुरक्षा इस बात पर निर्भर करती है कि कोई व्यक्ति किसी स्थिति और सतर्कता से कैसे निपटता है।

बिजली के झटके को रोकना

बिजली के झटके तब लगते हैं जब मानव शरीर विद्युत स्रोत के सीधे संपर्क में आता है। इसलिए ऐसे स्थानों पर काम करते समय अत्यधिक सावधानी बरतना महत्वपूर्ण है, जिसमें बड़े पैमाने पर बिजली के यंत्रों, उपकरणों और तारों का उपयोग शामिल

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

हो। बिजली के यंत्र, उपकरणों और तारों के आस-पास काम करते समय कुछ अभ्यासों का पालन करना चाहिए, जो इस प्रकार हैं—

- सुनिश्चित करें कि उपयोग में न होने पर और बिजली कटौती के समय सभी विद्युत उपकरणों के प्लग निकले हों।
- सुनिश्चित करें कि एक एक्सटेंशन कॉर्ड अतिभारित न हो।
- यदि एक्सटेंशन कॉर्ड दोषपूर्ण या क्षतिग्रस्त है तो उसे बदलें।
- स्विच बंद करने के बाद ही सॉकेट से बिजली के उपकरण का प्लग बाहर निकालें।
- सुनिश्चित करें कि बिजली के उपकरणों को हमेशा पानी से दूर रखा जाए।
- वॉशबेसिन के पास विद्युत उपकरण न रखें या उनका उपयोग न करें। विद्युत उपकरणों और बिजली के स्विच पर कभी भी पानी न गिराएँ।
- किसी विद्युत उपकरण या तार को गीले हाथों से न छुएँ।
- सुनिश्चित करें कि इंसुलेटेड ग्राउंडिंग सिस्टम या अर्थिंग काम कर रहा है।
- विद्युत उपकरणों की मरम्मत स्वयं न करें। इस काम के लिए हमेशा बिजली मिस्तरी की सहायता लें।
- विद्युत उपकरणों को बच्चों की पहुँच से दूर रखें।

प्रथम कार्रवाई

- पीड़ित की रक्षा करने के लिए नीचे उतरने से पहले विद्युत प्रवाह के स्रोत का पता लगा लें।
- पीड़ित को नंगे हाथों से न छुएँ। हालाँकि व्यक्ति को विद्युत प्रवाह के स्रोत से अलग करने का प्रयास करें।
- याद रखें, बचाव तभी सुरक्षित है जब विद्युत प्रवाह के स्रोत की बिजली आपूर्ति काट दी जाती है और बचावकर्ता विद्युत रोधक वस्तु या सामग्री, जैसे कि लकड़ी के टुकड़े या लकड़ी से बने सामान पर खड़ा होता है।
- आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों पर तुरंत फोन मिलाएँ।

प्राथमिक चिकित्सा

- पीड़ित को विद्युत प्रवाह के स्रोत से अलग करें और स्विच या विद्युत उपकरण को बंद कर दें।
- यदि व्यक्ति साँस लेने में असमर्थ है तो कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सी.पी.आर.) की सुविधा प्रदान करें।
- यदि चोट लगने के बाद पीड़ित गिर गया है तो उसके शरीर पर जलने या फ्रैक्चर जैसी चोटों की जाँच करें।
- आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों पर तुरंत फोन मिलाएँ।

© NCERT not to be republished

व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण

नियमित वर्दी के अलावा, नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को आपात स्थिति से निपटने के दौरान हमेशा व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पी.पी.ई.) पहनने चाहिए। पी.पी.ई. में निम्नलिखित सामान शामिल हैं—

मज़बूत हैलमेट

इसे निर्माण या औद्योगिक स्थलों पर गश्त करते समय पहना जाता है, जहाँ गार्ड के सिर पर भारी वस्तुएँ गिरने की संभावना होती है। हैलमेट व्यक्ति को सिर की चोटों से बचाता है जो गिरने वाली वस्तुओं के कारण लग सकती हैं।

चित्र 2.13: गैर फिसलन वाले काले जूते काम के दौरान फिसलने और लड़खड़ाने से बचाते हैं।

जूते

नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को बिना फिसलन वाले काले जूते पहनने चाहिए (चित्र 2.13 देखें)। ये व्यक्ति को फिसलने, लुढ़कने या गिरने से बचाते हैं और प्रतिकूल मौसम की स्थिति में भी काम करने की क्षमता सुनिश्चित करते हैं।

चित्र 2.14: बेल्ट का उपयोग उपकरण और टूल्स ले जाने के लिए किया जा सकता है।

बेल्ट

नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड कभी-कभी एक बेल्ट पहन सकते हैं, जिसे विशेष रूप से आवश्यकतानुसार उपकरण और औज़ारों को ले जाने के लिए बनाया गया है (चित्र 2.14 देखें)।

मुँह के लिए मास्क

यदि गार्ड पार्किंग स्थल पर या यातायात स्थल पर या परिसर के प्रवेश और निकास द्वार के पास तैनात है तो मुँह पर मास्क पहनना आवश्यक है। एक मास्क की समाप्ति तिथि होती है और समय-समय पर फिल्टर की सफ़ाई की आवश्यकता होती है।

चित्र 2.15: फ्लोरोसेंट जैकेट गार्ड की दृश्यता बढ़ाती है।

उच्च दृश्यता प्रकाश प्रतिबिंबित (फ्लोरोसेंट) जैकेट

नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को दूर से दिखाई देना चाहिए, क्योंकि भारी यातायात या निर्माण-स्थलों पर कभी-कभी व्यक्ति को वाहनों और पैदल चलने वालों की गतिविधियों को नियंत्रित और प्रबंधित करने की आवश्यकता हो सकती है। इसलिए इस तरह के काम करते समय हमेशा एक अलग प्रतिदीप्त या फ्लोरोसेंट जैकेट पहननी चाहिए (चित्र 2.15)। जैकेट सुरक्षा गार्ड की दृश्यता को बढ़ाती है।

© NCERT not to be republished

गश्त के दौरान आवश्यक उपकरण और औज़ार

कुछ उपकरण और औज़ार जो नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को गश्त करते समय ले जाने चाहिए, उनका वर्णन इस प्रकार है—

चित्र 2.16: अँधेरे में काम करते समय एक टॉर्च आवश्यक है।

टॉर्च

अँधेरे में गश्त करते समय हमेशा टॉर्च लेकर चलना चाहिए (चित्र 2.16 देखें)।

छड़ी

गश्त करते समय गार्ड को एक डंडा रखना चाहिए, क्योंकि यह अपराधियों और असामाजिक तत्वों को व्यक्ति पर शारीरिक हमला करने से रोकता है (चित्र 2.17)।

चित्र 2.17: गश्त करते समय गार्ड को एक डंडा लेकर जाना चाहिए।

सेलफोन या टू-वे रेडियो

गश्त करते समय गार्ड को हमेशा एक सेलफोन या टू-वे रेडियो रखना चाहिए (चित्र 2.18)। यह दुर्घटना या हमले के मामले में उपयोगी है, क्योंकि गार्ड तत्काल सहायता के लिए इसका उपयोग कर सकता है।

चित्र 2.18: गश्त के दौरान संचार के लिए एक सेलफोन या रेडियो की आवश्यकता होती है।

ध्यान देने योग्य बातें

- नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को स्थल की आपातकालीन प्रक्रियाओं और जोखिम क्षेत्रों के बारे में जानकारी होनी चाहिए।
- गार्ड की प्राथमिक चिकित्सा आपूर्ति तक पहुँच होनी चाहिए।
- यदि गार्ड एक ऐसी चिकित्सा स्थिति से पीड़ित है जिसमें अकेले काम करना खतरनाक हो सकता है तो इस बारे में तुरंत संबंधित प्राधिकारी को अवगत कराया जाना चाहिए।
- कार्यस्थल से संबंधित जोखिमों को समझना चाहिए और ऐसे तरीके खोजने चाहिए ताकि उन्हें कम किया जा सके या समाप्त किया जा सके। उदाहरण के लिए, एक अपराध-प्रवण शहरी क्षेत्र में सुपरमार्केट की सुरक्षा से संबंधित जोखिम, ग्रामीण क्षेत्र में अनाज गोदाम की सुरक्षा से एकदम अलग है।

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

आपने क्या सीखा?

इस सत्र को पूर्ण करने के उपरांत, आप सीखने में सक्षम होंगे—

- उन कर्तव्यों का वर्णन करने में जो एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को आग या बिजली के झटके की स्थिति में करने की आवश्यकता होती है।
- आग या बिजली के झटके की स्थिति में किए जा सकने वाले सुरक्षा उपायों को प्रदर्शित करना।
- विभिन्न प्रकार के अग्नि और अग्निशामक यंत्रों की पहचान करना।
- अग्निशामक यंत्रों के उपयोग का प्रदर्शन करना।

व्यावहारिक अभ्यास

गतिविधि

समूह कार्य—कक्षा को समूहों में विभाजित करें, जिसमें प्रत्येक में 10 सदस्य हों। विद्यार्थियों से आग की आपात स्थिति की कल्पना करने के लिए कहें। अब उन्हें स्थिति से निपटने के लिए रेस (RACE) के सूत्र का प्रदर्शन करने के लिए कहें।

आवश्यक सामग्री— कुछ नहीं

प्रक्रिया

- शिक्षक कक्षा के विद्यार्थियों से यह कल्पना करने के लिए कहते हैं कि उनकी कक्षा में आग लग गई है।
- शिक्षक कक्षा को समूहों में विभाजित करते हैं। प्रत्येक समूह में 10 विद्यार्थी हैं।
- प्रत्येक समूह के विद्यार्थियों को स्थिति से निपटने के लिए रेस (RACE) बचाव, अलार्म, नियंत्रण और निकासी सूत्र का प्रदर्शन करने के लिए कहा जाता है।
- उन्हें रेस सूत्र में शामिल प्रत्येक चरण के महत्व को समझाने की भी आवश्यकता है।
- शिक्षक विद्यार्थियों से उनके अनुभव और कार्य करते समय उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में पूछते हैं।
- शिक्षक अन्य विद्यार्थियों को प्रत्येक प्रदर्शन पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

अपनी प्रगति जाँचें

क. रिक्त स्थान भरें

1. एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को यातायात को नियंत्रित करते समय एक .... जैकेट पहननी चाहिए।
2. अग्निशामक यंत्र के उपयोग में शामिल चरणों के क्रम को .... कहा जाता है।

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

3. .... अग्निशामक दहन प्रक्रिया को बाधित करने के लिए हेलोन और हेलोकार्बन एजेंटों का उपयोग करते हैं।
4. .... प्रकार की आग के मामले में आर्द्र रासायनिक अग्निशामक काम करता है।

ख. बहुविकल्पीय प्रश्न

1. एक इमारत में आग जैसी आपात स्थिति से .... द्वारा निपटा जा सकता है।
   (क) यातायात पुलिस
   (ख) स्वास्थ्य विभाग
   (ग) अग्निशमन विभाग
   (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं
2. ड्रिल .... द्वारा की जाने वाली शारीरिक गतिविधि का एक रूप है।
   (क) एक व्यक्ति या एक समूह
   (ख) सुरक्षाकर्मियों
   (ग) लड़के या लड़कियों
   (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं
3. .... प्रकार की आग के मामले में फोम अग्निशामक का उपयोग नहीं किया जा सकता है।
   (क) श्रेणी सी
   (ख) श्रेणी ए
   (ग) श्रेणी बी
   (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं
4. विशेष शुष्क पाउडर अग्निशामक यंत्र केवल ....प्रकार की आग के लिए प्रभावी है।
   (क) श्रेणी सी
   (ख) श्रेणी ए
   (ग) श्रेणी डी
   (घ) दोनों (क) और (ख)

ग. विषय-वार प्रश्न

1. विभिन्न प्रकार के अग्निशामक यंत्रों पर एक टिप्पणी लिखिए।
2. फायर ड्रिल का क्या महत्व है?
3. विद्युतमारण (इलैक्ट्रोक्यूशन) से आप क्या समझते हैं? इससे पीड़ित व्यक्ति को बचाने के लिए आप क्या करेंगे?

© NCERT not to be republished

इकाई 3

दस्तावेज़ीकरण

'दस्तावेज़ीकरण' सूचना और साक्ष्य एकत्र करने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है, जो किसी अप्रिय घटना के मामले में महत्वपूर्ण दस्तावेज़ों के रूप में काम कर सकता है। इसे किसी संस्था द्वारा निर्दिष्ट मानक प्रक्रियाओं के अनुसार करने की आवश्यकता है।

एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को उस क्षेत्र की नियमित निगरानी करने की आवश्यकता होती है, जहाँ उसे तैनात किया जाता है और वह अपने कार्य-समय में होने वाली घटनाओं का एक लिखित दस्तावेज़ बनाए रखता है। औपचारिक दस्तावेज़ और बुनियादी सुरक्षा लॉगबुक या रजिस्टर को बनाने के अलावा, गार्ड गश्त और निगरानी के दौरान दर्ज किए गए बिंदुओं को आवश्यकता पड़ने पर भविष्य में प्रमाण के रूप में काम में ला सकता है। यह संस्था के स्वास्थ्य और सुरक्षा विभाग को परिसर में सुरक्षा खतरों की पहचान करने में भी सहायता कर सकता है।

यह इकाई उन दिशा-निर्देशों के बारे में जानकारी देती है जिनका रिपोर्ट लिखते समय नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को पालन करने की आवश्यकता होती है। इकाई में रिपोर्ट लेखन के प्रारूप पर भी चर्चा की गई है।

रजिस्टरों का रख-रखाव

प्रवेश-द्वार पर नियंत्रण से संबंधित सभी गतिविधियों को दर्ज करने की आवश्यकता है। प्रविष्टियों और टिप्पणियों को रजिस्टरों या लॉगबुक में दर्ज किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड द्वारा सभी गतिविधियों पर ध्यान दिया जाता है। किसी भी संस्था में सुविधा हेतु प्रवेश और निकास द्वार पर रजिस्टरों का रखरखाव किया जाता है।

© NCERT not to be republished

सामान्य सुरक्षा रजिस्टर

आवासीय परिसर सहित किसी कार्यालय के प्रवेश द्वार पर रखे जाने वाले कुछ महत्वपूर्ण रजिस्टर इस प्रकार हैं (चित्र 3.1 देखें)—

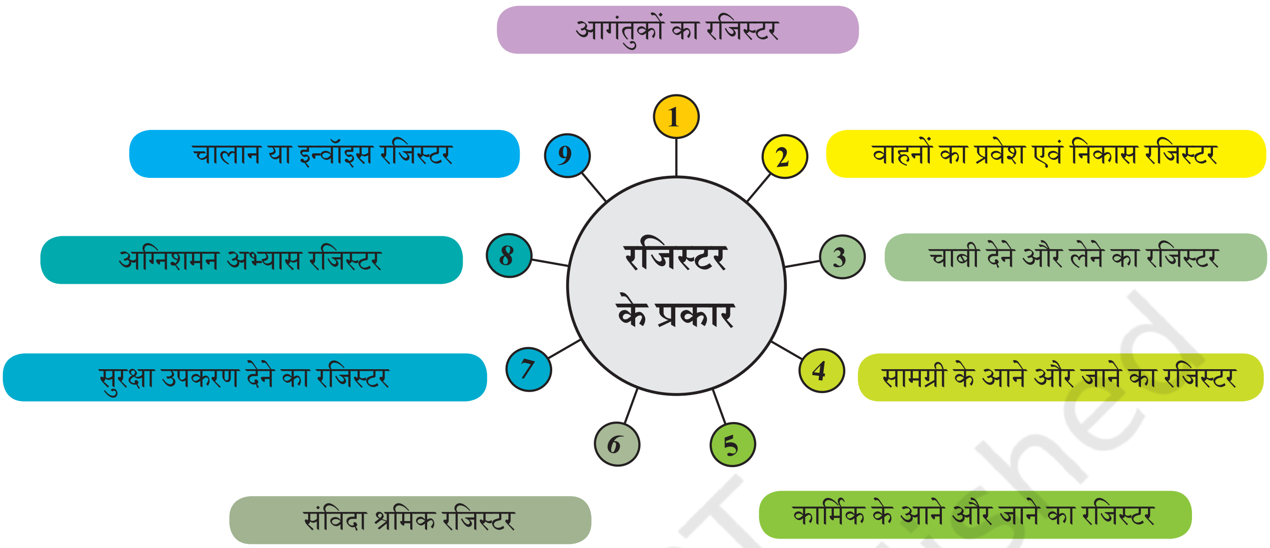

चित्र 3.1: सुरक्षा रजिस्टर आमतौर पर किसी परिसर के प्रवेश और निकास द्वार पर रखे जाते हैं।

आगंतुकों का रजिस्टर

यह रजिस्टर सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आगंतुकों के सामान्य विवरण, यानी उनके नाम, संपर्क विवरण (मोबाइल नंबर और डाक पता), पहचान-पत्र विवरण, आने-जाने का समय, यात्रा का उद्देश्य आदि दर्ज करने के लिए रखा जाता है।

वाहनों का प्रवेश एवं निकास रजिस्टर

इस रजिस्टर में वाहन के प्रकार, वह स्थान जहाँ से आ रहा है, चालक का विवरण, वह स्थान जहाँ सामग्री ले जा रहा है और जहाँ सामग्री का उपयोग या वितरण किया जाना है, के बारे में जानकारी शामिल है।

चाबी देने व लेने का रजिस्टर

इस रजिस्टर में एक अधिकृत व्यक्ति का विवरण और चाबी सौंपने का समय शामिल होता है, जो पाली परिवर्तन के बाद विभिन्न अनुभागों की चाबियों को सुविधा हेतु सौंपता है।

अधिकारियों के आने-जाने का रजिस्टर

इस रजिस्टर में दौरा करने वाले अधिकारियों के नाम, उनके आने और जाने का समय व संपर्क विवरण शामिल होता है।

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

डाक मेल और कूरियर

गार्ड से कभी-कभी मेल, संदेश या पार्सल प्राप्त करने, संग्रहीत करने और वितरित करने की अपेक्षा की जा सकती है। हालाँकि यह गार्ड का कर्तव्य नहीं है और इस तरह का कार्य केवल अधिकारियों या संबंधित लोगों द्वारा निर्देश दिए जाने पर ही करना चाहिए।

गार्ड को हमेशा सतर्क रहना चाहिए, क्योंकि पैकेट में विस्फ़ोटक या प्रतिबंधित नशीले पदार्थ जैसी खतरनाक सामग्री हो सकती है। परिसर की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रवेश द्वार पर तैनात गार्ड को डाक या डिलीवरी एजेंट के व्यक्तिगत विवरण को दर्ज करना चाहिए और सरकार द्वारा अधिकृत व्यक्ति के पहचान-पत्र की जाँच करनी चाहिए। अत: व्यक्ति के विवरण को दर्ज करने और सरकार द्वारा अधिकृत पहचान-पत्र की जाँच करने के उपरांत ही डाक या डिलीवरी एजेंट से पार्सल प्राप्त करना चाहिए। इन विवरणों को एक उपयुक्त रजिस्टर में दर्ज करने के बाद ही नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को आगंतुक पास जारी करना चाहिए और उस व्यक्ति को उचित स्थान पर पहुँचने के लिए सहायता करनी चाहिए।

प्राधिकार एवं प्रवेश नियंत्रण

बिना टिकट के एक निश्चित बिंदु से आगे सिनेमाघर में प्रवेश नहीं किया जा सकता है। टिकट एक प्रदर्शन (शो) के लिए वैध है। कोई व्यक्ति एक बार सिनेमाघर के अंदर प्रवेश कर सकता है लेकिन प्रक्षेपण कक्ष (प्रोजेक्शन रूम) में प्रवेश नहीं कर सकता। इन सबके अलावा परिसर में लगे सी.सी.टी.वी. कैमरे से आगंतुकों की गतिविधियों पर नज़र रखी जाती है। यह प्रवेश नियंत्रण के कार्यों में से एक है। पहचान और प्रवेश प्रलेखन सुरक्षाकर्मियों को आगंतुकों के रिकॉर्ड की निगरानी, नियंत्रण और रखरखाव करने में सक्षम बनाता है।

नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को परिसर में प्रवेश करने और बाहर निकलने वाले व्यक्तियों, वाहनों, सामग्री और अन्य गतिविधियों की निगरानी करनी पड़ती है और उन पर अपना नियंत्रण बनाए रखना पड़ता है। इसलिए वैध अनुमति-पत्र के बिना परिसर में आगंतुकों, वाहनों और सामग्री के प्रवेश की अनुमति नहीं देनी चाहिए।

'प्राधिकार' में नीतियों को परिभाषित करना और निर्दिष्ट करना शामिल है जबकि प्रवेश नियंत्रण इन नीतियों के कार्यान्वयन से संबंधित है। प्राधिकार और प्रवेश नियंत्रण साथ-साथ कार्य करते हैं। यह उचित प्राधिकरण से ही संभव है कि आगंतुकों और वाहनों को परिसर में प्रवेश करने की अनुमति दी जा सकती है और शारीरिक व आर्थिक हानि के बिना उन्हें निर्दिष्ट क्षेत्रों में निर्देशित किया जा सकता है।

© NCERT not to be republished

चित्र 3.2: नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को उचित प्राधिकरण प्रक्रिया पूरी करने के बाद ही आगंतुकों और वाहनों को परिसर में प्रवेश करने की अनुमति देनी चाहिए।

किसी संगठन की नीतियों के अनुसार आगंतुकों और वाहनों की तलाशी ली जाती है। जाँच केंद्र पर आगंतुकों के प्रबंधन हेतु व्यवस्थित तरीके से लाइन लगवाई जाती है।

जाँच के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरणों को निर्माता द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार व्यवस्थित रखा जाना चाहिए और उनका उपयोग किया जाना चाहिए।

नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को दोषपूर्ण प्रवेश नियंत्रण उपकरण के बारे में तुरंत संबंधित प्राधिकरण या तकनीशियन को सूचित करना चाहिए। कुछ उपकरणों के अचानक टूट जाने पर गार्ड को यह ध्यान में रखना चाहिए कि आगंतुकों को कम-से-कम असुविधा हो।

सुरक्षा उल्लंघन की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दी जानी चाहिए।

प्रवेश नियंत्रण हेतु दस्तावेज़

कर्मचारी पहचान-पत्र

यह एक ऐसा दस्तावेज़ है जो किसी संगठन में कार्यरत कर्मचारी की पहचान सिद्ध करता है। प्रतिष्ठान के प्रत्येक कर्मचारी को एक फोटो पहचान-पत्र जारी किया जाता है, जिसमें क्रम संख्या के साथ कर्मचारी का मूल विवरण होता है, जैसे कि नाम, पता, दूरभाष, जन्मतिथि, पद का नाम और जारी करने व समाप्ति की तिथि। कर्मचारी को परिसर में प्रवेश करने से पहले संस्था द्वारा जारी पहचान-पत्र दिखाना होता है। प्रौद्योगिकी विकास के साथ, पहचान-पत्र तेज़ी से उन्नत होते जा रहे हैं। वर्तमान में उनका उपयोग विभिन्न प्रशासनिक उद्देश्यों में किया जा रहा है; जैसे— उपस्थिति दर्ज करने के लिए, इलैक्ट्रॉनिक रूप से परिसर में प्रवेश करने के लिए

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

आदि। किसी व्यक्ति को संस्थान में प्रवेश करने की अनुमति देने से पहले गार्ड को प्रवेश द्वार पर ही उस व्यक्ति की पहचान को सत्यापित कर लेना चाहिए।

यदि कोई कर्मचारी बिना पहचान-पत्र के कार्य-स्थल पर जाने की अनुमति माँगता है तो सुरक्षा गार्ड को संबंधित दस्तावेज़ों की सहायता से व्यक्ति की पहचान करनी चाहिए और संबंधित सुरक्षा अधिकारी या पर्यवेक्षक को इसके बारे में सूचित कर देना चाहिए।

चूँकि एक पहचान-पत्र एक निश्चित समय-सीमा के लिए वैध होता है इसलिए कार्डधारक का यह कर्तव्य है कि वह कार्ड की समाप्ति तिथि से पहले ही उसके नवीनीकरण के लिए आवेदन करे। सुरक्षा गार्ड को किसी ऐसे व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं देनी चाहिए, जिसके पहचान-पत्र की समाप्ति तिथि निकल चुकी हो।

अस्थायी कर्मचारी प्रवेश पास

संविदा कर्मचारियों या अस्थायी आधार पर नियुक्त कर्मचारियों को परिसर में प्रवेश करने के लिए अस्थायी प्रवेश पास जारी किए जाते हैं। कुछ संस्थानों में प्रवेश पास पर कर्मचारी की फोटो और व्यक्तिगत विवरण अंकित हो सकते हैं। सेवा अनुबंध की समाप्ति के बाद अस्थायी प्रवेश पास का दुरुपयोग न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए उसे संबंधित अधिकारी को सौंप दिया जाता है। यह पास आमतौर पर कम अवधि के लिए वैध होते हैं।

ठेकेदार के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों हेतु फोटो पास

एक ठेकेदार द्वारा किसी काम के लिए नियुक्त किए गए कर्मचारी को संस्थान में प्रवेश हेतु फोटो पहचान पास जारी किया जाता है, जो कार्य पूर्ण होने तक वैध होता है। फोटो पहचान पास प्राप्त करने के लिए ठेकेदार को कर्मचारियों की पुलिस सत्यापन रिपोर्ट (उनका व्यक्तिगत विवरण; जैसे— नाम, स्थायी पता, दूरभाष, फोटो आदि) और अन्य विवरण को संस्थान के सुरक्षा पास अनुभाग के सामने प्रस्तुत करने होते हैं। ठेकेदार संस्थान परिसर में कार्यरत अपने कर्मचारियों के आचरण के लिए जवाबदेह होता है।

आगंतुक पास

किसी संस्थान के परिसर में प्रवेश पाने के लिए एक आगंतुक को स्वागती (रिसेप्शनिस्ट) या प्रवेश द्वार पर तैनात नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड से आगंतुक पास प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। आगंतुक पास केवल उस व्यक्ति की अनुमति लेने के बाद जारी किया जाता है, जिससे आगंतुक मिलना चाहता है।

© NCERT not to be republished

गार्ड या स्वागती आगंतुक लॉगबुक में उसका विवरण दर्ज करता है। परिसर में प्रवेश करने पर आगंतुक को वह पास हमेशा अपने साथ रखना चाहिए। परिसर से बाहर निकलते समय आगंतुक को वह पास स्वागती (रिसेप्शनिस्ट) या गार्ड को सौंपना होता है।

चित्र 3.3: एक आगंतुक पास

आगंतुक वाहन पास

किसी आगंतुक को वाहन पास जारी करते समय नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को हमेशा उस व्यक्ति से अपना ड्राइविंग लाइसेंस दिखाने के लिए कहना चाहिए। ड्राइविंग लाइसेंस की जाँच करने, आगंतुक और उसके वाहन के विवरण को दर्ज करने के बाद ही उसे परिसर में प्रवेश करने की अनुमति दी जा सकती है।

कर्मचारी वाहन पास

एक कर्मचारी, जो अपने स्वयं के वाहन से कार्यस्थल पर आता है, उसको संबंधित अधिकारियों द्वारा वाहन पास जारी किया जाता है। यह पास वाहन पर चिपकाने के लिए स्टिकर के रूप में हो सकता है। कर्मचारी को वाहन पास प्राप्त करने के लिए कुछ दस्तावेज़, जैसे— ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण प्रमाण-पत्र और बीमा संबंधी दस्तावेज़ प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है।

ठेकेदार और विक्रेता वाहन पास

एक कर्मचारी वाहन पास की तरह ठेकेदार और विक्रेता के वाहनों को परिसर में प्रवेश के लिए वाहन पास जारी किया जाता है।

सामग्री गेट पास (प्रवेश एवं निकास)

गेट नियंत्रण का एक महत्वपूर्ण पहलू परिसर के अंदर या बाहर लाई जाने वाली सामग्रियों की आवाजाही की जाँच, नियंत्रण और निगरानी करना है। आने या जाने वाली सामग्री के लिए गेट पास की आवश्यकता होती है। सभी आने और बाहर जाने वाली सामग्रियों को दर्ज करने के लिए प्रवेश एवं निकास द्वार पर आवश्यक दस्तावेज़ तैयार किए जाते हैं। कारखाने जैसे कुछ संस्थान गेट के पास तराजू आदि की व्यवस्था भी कर सकते हैं। संस्थान परिसर के अंदर और बाहर जाने वाली सभी सामग्रियों और भंडार (स्टोर) की जाँच की जानी चाहिए और उन्हें व्यवस्थित ढंग से दर्ज किया जाना चाहिए। कारखानों, उत्पादन इकाइयों और गोदामों में, जहाँ बड़ी मात्रा में सामग्री अंदर और बाहर जाती है, आवती और रिकॉर्ड रखने के लिए चालान और गेट पास प्रणाली का पालन किया जाता है।

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

वापसी योग्य सामग्री का गेट पास

ऐसे अवसर भी आते हैं जब कुछ सामग्री को मरम्मत या संशोधन के बाद वापस करना आवश्यक होता है। ऐसी स्थिति में, वापसी योग्य सामग्री गेट पास जारी किया जाता है। वापसी योग्य सामग्री का अलग रिकॉर्ड रखा जाता है। सुरक्षा कर्मचारी और संबंधित विभाग ऐसी सामग्री के लिए समय पर वापसी सुनिश्चित करते हैं।

दस्तावेज़ीकरण दिशानिर्देश

दस्तावेज़ीकरण के दौरान कुछ बिंदुओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है, वे इस प्रकार हैं—

दर्शक

'दर्शक' शब्द उन व्यक्तियों या समूहों को संदर्भित करता है, जो नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड द्वारा दर्ज किए गए दस्तावेज़ या रिपोर्ट को पढ़ सकते हैं। हालाँकि यह संभव है कि रिपोर्ट किसी के द्वारा भी न पढ़ी जाए। उदाहरण के लिए, सुरक्षा गार्ड गश्त के दौरान पार्किंग क्षेत्र में पड़े एक संदिग्ध पैकेट को देखता है, लेकिन वापस लौटने पर उसे वहाँ नहीं पाता है और इस घटना को लॉगबुक में दर्ज कर लेता है। हो सकता है कि लॉगबुक में पैकेट के बारे में दर्ज जानकारी की ओर कोई भी ध्यान न दे, लेकिन किसी अप्रिय घटना के घटित होने की स्थिति में जानकारी को पढ़ा जा सकता है।

प्रयोजन

दस्तावेज़ीकरण उन घटनाओं का रिकॉर्ड है जो सुरक्षा गार्ड की ड्यूटी के दौरान घटित हुई हैं। किसी घटना या वारदात को विस्तारपूर्वक दर्ज करना बेहतर होता है, क्योंकि यह किसी अप्रिय घटना की स्थिति में एक विशेष उपकरण के रूप में कार्य कर सकता है। दस्तावेज़ीकरण निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए किया जाता है—

- वारदात और घटनाओं को याद रखने के लिए।
- सहकर्मियों, सुरक्षा अभिकरणों और पर्यवेक्षकों को ड्यूटी के दौरान घटित घटनाओं के बारे में सूचित करने के लिए।
- घटना के दौरान विशेष सुरक्षा गार्ड की ड्यूटी का संकेत देने के लिए।
- उन जोखिमों का रिकॉर्ड रखने के लिए जो परिसर में खतरों का कारण बन सकते हैं।
- स्थिति को संभालने से पहले पुलिस को घटना-स्थल के बारे में सूचित करने के लिए।
- अदालत में साक्ष्य पेश करने के लिए।

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

प्रारूप

एक घटना घटित होने के तुरंत बाद उसे दर्ज किया जाना चाहिए, क्योंकि बाद में घटनाक्रम को समझने व याद करने में कठिनाई हो सकती है। इसे हमेशा रजिस्टर में दर्ज किया जाना चाहिए। प्रारूप नोट की संरचना को संदर्भित करता है। नोट लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए—

- रजिस्टर के प्रथम पृष्ठ पर उस स्थान का नाम और पता, जहाँ नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड तैनात है और उस अभिकरण का नाम, जिसकी सुरक्षा प्रदान करने की ज़िम्मेदारी है।
- नोट लिखने के लिए हमेशा नीली या काली स्याही के बॉल प्वाइंट पेन का ही उपयोग करें। स्याही या जेल पेन का उपयोग करने से बचें।
- स्पष्ट लिखें ताकि अन्य लोग इसे पढ़ सकें।
- प्रत्येक नोट एक नए पृष्ठ से शुरू होना चाहिए।
- पृष्ठ पर घटना की तिथि और समय का उल्लेख करें।
- घटना के बारे में कालानुक्रमिक ढंग से विस्तारपूर्वक लिखें।
- पृष्ठ पर काटने के लिए यदि कोई रेखा खींची जाती है, गार्ड को उस पर अपने संक्षिप्त हस्ताक्षर करने चाहिए।
- यदि किसी पृष्ठ पर जगह छूट जाती है तो गार्ड को उसे काट देना चाहिए और विश्वसनीयता के लिए संक्षिप्त हस्ताक्षर करने चाहिए।

दर्ज करना और सूचित करना

नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड को वह सब कुछ दर्ज करना होगा, जो बाद में रिपोर्ट दर्ज करने में सहायता कर सकता है। प्रत्येक घटना को लॉगबुक में दर्ज किया जाना चाहिए। एक रिकॉर्ड में निम्नलिखित शामिल होना चाहिए—

- संदिग्ध लोगों, पैकेटों और वाहनों का विवरण।
- खतरनाक गतिविधियाँ, जोखिम और खतरे, जिनके कारण घटना घटित हुई।
- क्षेत्र विशेष में रहने वाले लोगों या आगंतुकों की शिकायतें।
- मशीनों और उपकरणों का नुकसान।
- एक अपराध का कालानुक्रमिक विवरण, जिसमें अपराध-स्थल का विवरण शामिल हो।
- अज्ञात फोन कॉल का विवरण; जैसे— कॉल प्राप्त होने का समय, वह पुरुष था या महिला थी, उसने फोन पर क्या कहा आदि।
- अतिचार या बर्बरता।

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

प्रतिवेदन (रिपोर्ट) लेखन में मार्गदर्शक प्रश्न

किसी घटना को दर्ज करने और उसकी सूचना देते समय छह ककार— कौन, कब, कहाँ, क्या, क्यों और कैसे सूत्र का पालन करें। कुछ प्रश्न जो किसी नोट या प्रतिवेदन में शामिल किए जा सकते हैं, वे इस प्रकार हैं—

कौन शामिल था?

- शामिल व्यक्तियों के नाम और संपर्क विवरण।

कब हुआ?

- घटना की तिथि और समय।

कहाँ हुआ?

- उस क्षेत्र की जानकारी, जहाँ घटना हुई।
- उस क्षेत्र की जानकारी, जहाँ से साक्ष्य प्राप्त हुए।

क्या हुआ?

- घटनाक्रम की जानकारी।
- संबंधित अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई सहित विभिन्न लोगों की कार्रवाई।

क्यों हुआ?

- यदि घटना का कारण स्पष्ट है तो उसे बताएँ।
- यदि कारण अस्पष्ट है तो अनुमान न लगाएँ।

कैसे हुआ?

- घटना कैसे घटित हुई?
- एक घटना के कारण दूसरी घटना कैसे हुई?

आपने क्या सीखा?

इस सत्र के उपरांत, आप सीखने में सक्षम होंगे—

- विभिन्न प्रकार के सुरक्षा रजिस्टरों की सूची बनाना और उनके उद्देश्यों का वर्णन करना।
- आगंतुक की लॉगबुक भरना।
- किसी घटना को दर्ज करना और सूचित करना।

© NCERT not to be republished

व्यावहारिक अभ्यास

गतिविधि

आपका विद्यालय जिला स्तरीय खेल उत्सव का आयोजन कर रहा है। जिले के कई विद्यालयों के विद्यार्थी, उनके माता-पिता और शिक्षक आपके विद्यालय में आएँगे। समारोह में सरकारी अधिकारी और आस-पास के क्षेत्रों की आम जनता भी शामिल हो सकती है। आपको दिनभर चलने वाले उत्सव के दौरान प्रवेश द्वार पर लोगों और वाहनों के प्रवेश नियंत्रण का संचालन करने की ज़िम्मेदारी दी गई है। निम्नलिखित के संबंध में अपनी कार्य-योजना का वर्णन करें—

- विभिन्न प्रकार के रजिस्टर बनाना और प्रत्येक रजिस्टर में पालन किया जाने वाला प्रारूप।
- आगंतुकों का प्रमाणीकरण।
- प्राधिकार प्रक्रिया जिसे आप किसी आगंतुक को प्रवेश की अनुमति देने के लिए अपनाएँगे।
- आगंतुकों को जारी किए जाने वाले अस्थायी पहचान-पत्र का नमूना (कार्ड में विवरण)।
- आगंतुक वाहन प्रवेश पास।

अपनी प्रगति जाँचें

क. रिक्त स्थान भरें

1. एक सुरक्षा गार्ड को अपनी ड्यूटी के दौरान जो कुछ हुआ, उसको .... में दर्ज करने की आवश्यकता होती है।
2. दस्तावेज़ीकरण एक संस्थान द्वारा निर्दिष्ट .... प्रक्रियाओं के अनुसार किया जाना चाहिए।
3. एक सुरक्षा गार्ड को परिसर में .... पहचान-पत्र रखने वाले व्यक्ति को अनुमति नहीं देनी चाहिए।
4. जब मरम्मत या संशोधन के बाद किसी सामग्री या भंडार को वापस करने की आवश्यकता होती है, तो एक .... गेट पास जारी किया जाता है।

ख. बहुविकल्पीय प्रश्न

1. एक नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट .... होनी चाहिए।
   (क) संक्षिप्त
   (ख) लिखित और विस्तृत
   (ग) हमेशा मौखिक
   (घ) पेंसिल से लिखित

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

2. यदि किसी रिपोर्ट में गलत को काटने के लिए कोई रेखा खींची जाती है, तो गार्ड को उस रेखा पर अपने हस्ताक्षर करने चाहिए। यह .... के लिए किया जाता है।
   (क) इसकी विश्वसनीयता बढ़ाने
   (ख) इसे प्रस्तुत करने योग्य बनाने
   (ग) इसे सुपाठ्य बनाने
   (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं
3. आने या जाने वाली सामग्री के लिए हमेशा .... पास की आवश्यकता होती है।
   (क) वाहन
   (ख) आगंतुक
   (ग) सामग्री
   (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

ग. विषयवार प्रश्न

1. प्रवेश या अभिगम नियंत्रण से आप क्या समझते हैं? इसमें आवश्यक किन्हीं तीन दस्तावेज़ों की सूची बनाइए।
2. नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड के लिए रिपोर्ट तैयार करना क्यों महत्वपूर्ण है? प्रतिवेदन या रिपोर्ट-लेखन के लिए किन्हीं दो मार्गदर्शक प्रश्नों की सूची बनाइए।

© NCERT not to be republished

शब्दकोश

अभिगम या प्रवेश नियंत्रण— *एक प्रणाली तक पहुँच को सीमित करने का तंत्र, जो एक भौतिक या आभासी संसाधन हो सकता है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके द्वारा कोई तंत्र कुछ विशेष जानकारी तक पहुँचने का अधिकार प्रदान करता है या निरस्त करता है या उस पर कुछ कार्रवाई करता है।*

आगंतुक— *एक व्यक्ति, जो व्यक्तिगत या आधिकारिक उद्देश्य के लिए किसी परिसर का दौरा करता है।*

आगंतुक पास— *निःशस्त्र सुरक्षा गार्ड द्वारा आगंतुक को जारी किया गया एक अस्थायी पास, जिसे आगंतुक को परिसर से बाहर निकलने पर वापस करना होता है।*

उल्लंघन— *किसी ऐसे कार्य को करने में विफलता जो कानून के अनुसार किया जाना चाहिए।*

खतरा— *मुसीबत, खतरे या आपदा की संभावना।*

गोपनीयता— *ऐसी स्थिति, जिसमें किसी व्यक्ति से यह अपेक्षा की जाती है कि वह कुछ जानकारी गुप्त रखे।*

गश्त— *जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नियमित अंतराल पर किसी क्षेत्र या भवन के आस-पास घूमना।*

चौकस— *किसी अपराध में संदिग्ध व्यक्ति या उस स्थान पर नज़र रखना, जहाँ किसी अपराध की संभावना हो।*

जोखिम— *भविष्य में किसी समय किसी अप्रिय घटना की संभावना; ऐसी स्थिति जो खतरनाक हो सकती है या प्रतिकूल परिणाम दे सकती है।*

ट्रांसजेंडर— *एक व्यक्ति, जिसका जेंडर जन्म के समय दिए गए जेंडर से मेल नहीं खाता। इसमें ट्रांस-मेन, ट्रांस-वुमेन, इंटरसेक्स भिन्नता वाले व्यक्ति, समलैंगिक और सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान वाले व्यक्ति, जैसे कि किन्नर और हिजड़ा शामिल हैं।*

तलाशी लेना— *नशीले पदार्थों, विस्फोटकों, हथियारों आदि की खोज के लिए किसी आगंतुक की हाथों से टटोलकर तलाशी लेना।*

दस्तावेज़— *लिखित या मुद्रित कागज़ात, किसी वस्तु का मूल, आधिकारिक या कानूनी रूप, जिसका उपयोग निर्णायक साक्ष्य या जानकारी को प्रस्तुत करने के लिए किया जा सकता है।*

दस्तावेज़ीकरण— *इसमें उन दस्तावेज़ों का रखरखाव शामिल है जो किसी अप्रिय घटना के मामले में साक्ष्य के रूप में काम आ सकते हैं।*

निकासी— *लोगों को जोखिम वाले स्थान से सुरक्षित स्थान पर ले जाने की प्रक्रिया।*

निगरानी— *समयावधि में कार्य की प्रगति या गुणवत्ता का अवलोकन और जाँच करना या एक व्यवस्थित समीक्षा करना।*

प्राधिकार— *एक प्रक्रिया जिसमें नीतियों को परिभाषित और निर्दिष्ट करना शामिल है।*

भीड़— *एक बड़ा जनसमूह जो सार्वजनिक स्थान पर एकत्र होता है, उदाहरण के लिए— सड़कों पर।*

© NCERT not to be republished

रिकॉर्ड— *किसी घटना का लिखित विवरण, जिसे भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर संदर्भित किया जा सकता है।*

रिपोर्ट— *एक दस्तावेज़ जिसमें आवश्यक रूप से तदर्थ, आवधिक, आवर्ती या नियमित आधार पर तैयार की गई एक कथा, ग्राफिक या सारणीबद्ध रूप में व्यवस्थित जानकारी होती है। रिपोर्ट एक विशिष्ट समय सीमा, घटना या विषयों को संदर्भित कर सकती है और मौखिक या लिखित रूप से संप्रेषित या प्रस्तुत की जा सकती है।*

लॉगबुक— *यह एक रजिस्टर है, जिसमें महत्वपूर्ण घटनाओं, परिसर में लोगों के आवागमन या सामग्री प्रवेश को दर्ज किया जाता है। इस तरह की जानकारियाँ प्रतिदिन लॉगबुक में दर्ज होती हैं।*

व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पी.पी.ई.)— *नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड द्वारा कार्यस्थल पर खतरों से स्वयं की रक्षा के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरण। इनमें मज़बूत हैलमेट, सुरक्षित जूते, दस्ताने, चश्मा आदि शामिल हैं।*

व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा— *दुर्घटना, क्षति, बीमारियों आदि की रोकथाम कर कार्यस्थल पर व्यक्तियों और संपत्ति को सुरक्षित रखना।*

स्वच्छता— *बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वयं को और कार्यस्थलों को साफ़ रखने का अभ्यास।*

सत्यापन— *यह प्रदर्शित करने या जाँचने की क्रिया कि सब कुछ बिल्कुल सही है।*

सी.सी.टी.वी. (क्लोज्ड सर्किट टेलीविजन)— *एक टेलीविजन प्रणाली, जिसमें संकेतों को सार्वजनिक रूप से वितरित नहीं किया जाता है, लेकिन मुख्य रूप से सुरक्षा उद्देश्यों के लिए निगरानी की जाती है।*

© NCERT not to be republished

उत्तर कुंजी

इकाई-1— कर्तव्य, व्यक्तिगत सुरक्षा और स्वच्छता

सत्र 1— नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड के कर्तव्य और ज़िम्मेदारियाँ

क. रिक्त स्थान भरें—

1. पंजीकरण 2. प्रबंधन 3. लोगों
4. भेदभाव 5. अहस्तांतरणीय

ख. बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (ग) 3. (घ) 4. (घ)

सत्र 2— कार्यस्थल पर व्यक्तिगत सुरक्षा और स्वच्छता बनाए रखना

क. रिक्त स्थान भरें

1. शराब, तंबाकू 2. स्वच्छता 3. सतर्क, सक्रिय
4. अच्छी तरह से तैयार 5. सी.सी.टी.वी. 6. निजी सुरक्षा एजेंसी (विनियमन)

इकाई-2— खतरों और आपात स्थितियों से निपटना

सत्र 1— खतरा

क. रिक्त स्थान भरें

1. जोखिम 2. स्वास्थ्य, सुरक्षा
3. जैविक 4. विषाक्त गुणों

ख. बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (ग) 3. (क) 4. (ख)

सत्र 2— आपातस्थितियाँ

क. रिक्त स्थान भरें

1. फ्लोरोसेंट 2. पास (PASS)
3. क्लीन एजेंट 4. श्रेणी के (K)

ख. बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) 2. (ख) 3. (क) 4. (घ)

इकाई-3— दस्तावेज़ीकरण

क. रिक्त स्थान भरें

1. लिखित 2. मानक
3. समाप्त हो चुका (एक्सपायर्ड) 4. वापसी योग्य सामग्री

ख. बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) 2. (क) 3. (ग)

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

© NCERT not to be republished